देशबन्धु

वर्ष – 34 । अंक – 335 । भोपाल, मंगलवार, 5 दिसम्बर 2023 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 3.00 रुपए

भोपाल में 82 उम्मीदवारों की जमानत जप्त, 58 तो नोटा से भी हारे पृष्ठ 3

पर 2024 की कोई गारंटी नहीं है!
भारतीय अर्थव्यवस्था विकास के पथ पर लेकिन नयी नौकरियां पैदा करने में असफल पृष्ठ 4

जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओं के परिश्रम की जीतः शुक्ला पृष्ठ 6

झाबुआ की तीनों सीटों पर 'भूरिया' जीते पृष्ठ 8

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

2 गुटों के बीच गोलीबारी में 13 लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। यह हिंसा राज्य के तेंगनोउपल जिले में हुई. यहां सोमवार दोपहर दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग में 13 लोगों की मौत हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि जिले के लेतीथू गांव के पास दो समूहों के बीच फायरिंग हुई. फायरिंग की सूचना मिलने पर हमारे सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे, जहां से हमने 13 शव बरामद किए। हमें शवों के पास से कोई हथियार नहीं मिले। सूत्रों का कहना है कि मृतक यहां के स्थानीय निवासी नहीं लग रहे. ऐसा लग रहा है कि ये लोग कहीं और से आए थे और फायरिंग में शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि, अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है. बता दें कि तीन दिसंबर को तेंगनोउपल जिले में कुकी–जो जनजातीय समूहों ने भारत सरकार और यूएनएलेफ के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत किया था।

यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब रविवार को ही राज्य में सात महीने के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवाओं से प्रतिबंध हटा दिया गया था। हालांकि, कुछ जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में अब भी प्रतिबंध जारी है। मालूम हो कि इंटरनेट पर बैन 23 सितंबर को कुछ समय के लिए हटा लिया गया था, लेकिन 26 सितंबर को इसे फिर से शुरू कर दिया गया ताकि नफरत भरे भाषण और नफरत वाले वीडियो संदेशों को प्रसारित करने से रोकने में मदद मिल सके।

इसी रैली के दौरान आदिवासियों और गैर–आदिवासियों के बीच हिंसक झड़प हो गई. भीड़ को तितर–बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे. शाम तक हालात इतने बिगड़ गए कि सेना और पैरामिलिट्री फोर्स की कंपनियों को वहां तैनात किया गया।

मणिपुर में मैतेई समुदाय की आबादी 53 फीसदी से ज्यादा है. ये गैर–जनजाति समुदाय है। वहीं, कुकी और नगा की आबादी 40 फीसदी के आसापास है. राज्य में इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद मैतेई समुदाय सिर्फ घाटी में ही बस सकते हैं. मणिपुर का 90 फीसदी से ज्यादा इलाकी पहाड़ी है. सिर्फ 10 फीसदी ही घाटी है. पहाड़ी इलाकों पर नगा और कुकी समुदाय का तो घाटी में मैतेई का दबदबा है।

तीन मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने आदिवासी एकता मार्च निकाला। ये रैली चुरचांदपुर के तोरबंग इलाके में निकाली गई। ये रैली मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के खिलाफ निकाली गई थी. मैतेई समुदाय लंबे समय से अनुसूचित जनजाति यानी एसटी का दर्जा देने की मांग हो रही है।

मणिपुर में एक कानून है. इसके तहत, घाटी में बसे मैतेई समुदाय के लोग पहाड़ी इलाकों में न बस सकते हैं और न जमीन खरीद सकते हैं. लेकिन पहाड़ी इलाकों में बसे जनजाति समुदाय के कुकी और नगा घाटी में बस भी सकते हैं और जमीन भी खरीद सकते हैं. पूरा मसला इस बात पर है कि 53 फीसदी से ज्यादा आबादी सिर्फ 10 फीसदी इलाके में रह सकती है, लेकिन 40 फीसदी आबादी का दबदबा 90 फीसदी से ज्यादा इलाके पर है।

वायुसेना का प्रशिक्षु विमान दुर्घटनाग्रस्त, 2 पायलटों की मौत

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद से लगभग 60 किलोमीटर दूर मेडक जिले के तूप्रान के पास सोमवार सुबह भारतीय वायु सेना (आईएएफ) का एक प्रशिक्षण विमन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें दो पायलटों की मौत हो गई। पिलाटस पीसी 7 एमके टू ट्रेनर विमान ने सुबह नियमित प्रशिक्षण उड़ान के लिए वायु सेना अकादमी, हैदराबाद से उड़ान भरी थी।

वायुसेना अधिकारियों ने बताया कि दोनों पायलटों में से एक प्रशिक्षक और एक प्रशिक्षु था। आईएएफ ने एक बयान में कहा, यह बेहद अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि एलएएफ पुष्टि करता है कि विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई हैं। किसी भी नागरिक जीवन या संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। इसमें कहा गया है कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है। विमान चट्टानों के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गया और आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना सोमवार सुबह करीब 8.30 बजे हुई। स्थानीय लोग दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया।

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू, प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना

हार का गुस्सा सदन में न निकाले

नकारात्मकता एवं नफरत छोड़ कर सकारात्मक विचार के साथ आएं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष का आज आह्वान किया कि वे संसद को पराजय का गुस्सा निकालने का मंच ना बनायें और नकारात्मकता एवं नफरत छोड़ कर सकारात्मक विचार के साथ आये और देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए जनता की आकांक्षा को पूरा करने में सहयोग करें।

श्री मोदी ने यहां संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के पहले संसद भवन परिसर में मीडिया को दिये अपने वक्तव्य में चार राज्यों के चुनावी परिणामों को नकारात्मकता के विरुद्ध जनादेश बताते हुए कहा, कल ही चार राज्यों के चुनाव नतीजे आए हैं। बहुत ही उत्साहवर्धक परिणाम आए हैं। ये उनके लिए उत्साहवर्धक हैं, जो देश के सामान्य मानवी के कल्याण के लिए, देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, सभी समाजों और सभी समूहों की महिलाएं, युवा, हर समुदाय और समाज के किसान और मेरे देश के गरीब।

ये चार ऐसी महत्वपूर्ण जातियां हैं जिनके सशक्तिकरण, उनके भविष्य को सुनिश्चित करने वाली ठोस योजनाएं और अंतिम व्यक्ति तक पहुंच के उसूलों पर जो चलता है, उन्हें भरपूर समर्थन मिलता है। उन्होंने कहा कि इतने उत्तम जनादेश के बाद आज हम संसद के इस नए मंदिर में मिल रहे हैं। जब इस नए परिसर का उद्घाटन हुआ था, तो उस समय एक छोटा सा सत्र था और एक ऐतिहासिक निर्णय हुआ था। लेकिन इस बार लंबे समय तक इस सदन में कार्य करने का अवसर मिलेगा। श्री मोदी ने कहा कि देश ने नकारात्मकता को नकारा है। सत्र के प्रारंभ में विपक्ष के साथियों के साथ हमारा विचार विमर्श होता है, सबके सहयोग के लिए हम हमेशा आग्रह करते हैं। इस बार भी ये सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर ली गई हैं।

राज्यसभा के उप सभापति पैनल का पुनर्गठन

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को सदन के उप सभापति पैनल का पुनर्गठन करने की घोषणा की। श्री धनखड़ ने सदन में कहा कि उप सभापति पैनल का पुनर्गठन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की फूलो देवी नेताम, भारतीय जनता पार्टी की एस फांगनॉन कोन्याक, श्रीमती दर्शना सिंह, डॉ. सोनल मानसिंह, बीजू जनता दल के डॉ. सस्मित पात्रा, वाईएसआरसीपी के वी विजयसाई रेड्डी, तृणमूल कांग्रेस के सुखेन्दु शेखर राय और निर्दलीय कार्तिकेय शर्मा को उप सभापति पैनल में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि नया पैनल तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

आप सांसद राघव का निलंबन रद्द

आम आदमी पार्टी के निलंबित राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को बडी राहत मिली है। सभापति जगदीप धनकड ने 115 दिनों के निलंबन के बाद उनकी संसद सदस्यता बहाल कर दी है। राघव चड्ढा ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए खुद इसकी जानकारी दी और बताया कि उनका निलंबन रद्द हो गया है। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र के दौरान गत 11 अगस्त को उन्हें राज्यसभा से निलंबित किया गया था। सदस्यता बहाल होने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट व सभापति धनकड के प्रति आभार जताया। मालूम हो कि मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह विशेष तौर पर संसद का मसला है। हालांकि शीर्ष न्यायालय ने राज्यसभा सचिवालय को नोटिस जारी करते हुए सलाह दिया था कि चड्ढा सभापति जगदीप धनकड से माफी मांगे और वे बडा दिल दिखाते हुए मामले को खत्म कर दें। बतादें कि सोमवार को राज्यसभा की विशेषाधिकार समिति की सोमवार को बैठक हुई। इसमें आप सांसद राघव चड्ढा की सदस्यता बहाल करने का निर्णय लिया गया। इसके चलते अब वे आज से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हो गए हैं।

भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर किया मंथन

मप्र में शिवराज, राजस्थान में वसुंधरा को फिर मिल सकती है कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मिली जीत के बाद भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व इन राज्यों में नई सरकार की जमावट के लिए जुट गया है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और राजस्थान में वसुंधरा राजे को को कमान सौंपे जाने की चर्चा है। इन चुनावों में मिली भारी जीत को पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए मुफीद मान रही है। विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इन राज्यों में पार्टी को मिली सफलता 2024 की गारंटी है। इससे साफ है कि राज्यों में सरकार के नेतृत्व को लेकर इसी आधार पर निर्णय लिए जाएंगे कि अगले साल लोकसभा चुनाव फतह करना है। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह को भावी मुख्यमंत्रियों को लेकर अपनी राय दे दी है। इसके बाद श्री शाह ने आज पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की है।

भाजपा ने इन तीनों ही राज्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे और सामूहिक नेतृत्व पर चुनाव लड़ा था। भाजपा को इन चुनावों में खासी सफलता मिली। इसके बाद अब पार्टी नेतृत्व को राज्यों के मुख्यमंत्रियों का चयन करना है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने मुख्यमंत्रियों के नाम तय कर लिए हैं। पर्यवेक्षकों के ऐलान और विधायक दल की बैठकों में इनका औपचारिक रूप से नाम तय किया जाएगा। बताया जाता है कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक बार फिर राज्य की बागडोर सौंपी जाएगी। वहीं राजस्थान में वसुंधरा राजे या केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल को कमान सौंपी जाएगी।

हालांकि यहां वसुंधरा राजे का सबसे आगे बताया जा रहा है। हालांकि मध्यप्रदेश और राजस्थान को लेकर यहां तक कहा जा रहा है कि श्री चौहान और वसुंधरा राजे के नाम तय कर लिए गए हैं। मध्यप्रदेश में भाजपा ने एक रणनीति के तहत 7 सांसदों और 3 केंद्रीय मंत्रियों को मैदान में उतारा था। यह प्रयोग भी प्रदेश में सफल रहा है। किंतु पार्टी का आकलन है कि शिवराज सरकार की लाड़ली बहना जैसी लोकप्रिय योजना का पार्टी की इस जीत में बड़ा योगदान है। श्री चौहान को विधानसभा चुनाव में चेहरा नहीं बनाने से इस कयास को बल मिला था कि जीत की स्थिति में भाजपा किसी नए चेहरे को नेतृत्व सौंपेगी। लेकिन लोकसभा चुनाव तक पार्टी कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती है। वहीं छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और पूर्व नौकरशाह ओपी चौधरी के नामों की चर्चा है।

यह भी हैं दावेदार

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री पद के लिए श्री चौहान के अलावा केन्द्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा भी प्रबल दावेदार हैं। चर्चा यह भी है कि शिवराज को कमान देकर 2 उपमुख्यमंत्री भी बनाए जा सकते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट से मिली जानकारी

दिल्ली महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित शहर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने 2022 की रिपोर्ट जारी कर दी है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित शहर है। यहां 2022 में एक दिन में 3 दुष्कर्म के मामले दर्ज किए गए।

रिपोर्ट में बताया कि देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4 लाख 45 हजार 256 केस दर्ज किए गए, यानी हर घंटे लगभग 51 प्राथमिकी दर्ज हुई। 2021 में यह आंकड़ा 4 लाख 28 हजार 278 था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 की तुलना में महिला अपराधों में 4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं 2022 में 28 हजार 522 मर्डर केस दर्ज हुए यानी हर दिन 78 हत्याएं हुईं। देश में बच्चों, अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति और साइबर क्राइम बहुत ज्यादा बढ़े हैं। एनसीआरबी रिपोर्ट में सामने आया है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर 2021 में 64.5 फीसदी से बढ़कर 2022 में 66 फीसदी हो गई है। इसमें से 2022 के दौरान 19 महानगरों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 48 हजार 755 मामले दर्ज किए गए, जो 2021 (43 हजार 414 केस) की तुलना में 12.3 फीसदी ज्यादा हैं। 2022 में महिला अपराध में 65 हजार 743 मामलों के साथ उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। इसके बाद महाराष्ट्र (45331 केस) और राजस्थान (45058 केस) पश्चिम बंगाल (34738 केस) और मध्य प्रदेश (32765 केस) का नंबर हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय दंड संहिता और विशेष और स्थानीय कानून के तहत रजिस्टर्ड क्राइम में कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रति लाख जनसंख्या पर रजिस्टर क्राइम रेट 2021 में 445.9 से घटकर 2022 में 422.2 हो गए हैं। 2022 में 58 लाख 24 हजार 946 अपराध दर्ज किए गए, जिनमें 35 लाख 61 हजार 379 भारतीय दंड संहिता और 22 लाख 63 हजार 567 विशेष और स्थानीय कानून अपराध शामिल हैं। 2021 में यह आंकड़ा 60,96,310 रजिस्टर्ड केस का था।

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 4 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों में उललेखनीय वृद्धि दर्ज की है, 2022 में कुल 4,45,256 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष दर्ज किए गए 4,28,278 मामलों की तुलना में चार फीसदी ज्यादा है। एनसीआरबी के अनुसार, 2022 में देशभर में लगभग 250 महिलाएं हत्या–सह–दुष्कर्म/सामूहिक दुष्कर्म की शिकार हुई।

10 हजार छात्रों ने की आत्महत्या

रिपोर्ट में सामने आया है कि 2022 में 18 साल से कम उम्र के 10 हजार 295 बच्चों ने आत्महत्या की। इनमें लड़कों की संख्या 4616 थी, जबकि लड़कियों की संख्या 5588 थी।

सार समाचार

बस ड्रायवर के साथ मारपीट, हालत गंभीर

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत बस स्टेंड पर 3 व्यक्तियों ने एक बस ड्रायवर के साथ मारपीट कर दी, जिसमें वह घायल हो गया। जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल के ट्रामा केयर सेंटर में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर दो आरोपियों पर मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अभिषेक लोधी निवासी पिछोर ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि गत रात वह बस स्टेंड पशुपतिनाथ मंदिर के पास अपनी बस के पास खड़ा था। तभी अचानक जितेन्द्र रघुवंशी निवासी डंगोरा थाना अशोकनगर अपने दो साथियों के साथ मौके पर पहुंचा। इस दौरान तीनों ने उसके साथ लोहे के पाईप, डंडे से मारपीट शुरू कर दी। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों पर धारा 323, 324, 294, 506, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

भारी पड़ा गाड़ी रोककर घायल का हालचाल जाना तो हो गई पिटाई

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत सकतपुर रोड पर सडक़ पड़े घायल को हालचाल जानना तीन दोस्तों को भारी पड़ा। एक्सीडेंट के शक में उसके घायल के साथियों ने युवकों के साथ मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी शुभम धाकड़ निवासी फुलवारी कॉलोनी अपने साथ दोस्त मिलन तिवारी एवं अजय छारी के साथ देर रात 1 बजे ट्रांसपोर्ट नगर स्थित होटल से खाना खाकर कार क्रमांक एमपी 08 जेडए 3262 से अपने घर आ रहा था। जैसे ही वह लोग सकतपुर रोड डीपी के पास पहुंचे तो रोड पर प्रियाशुं वाल्मिकी घायल अवस्था में पड़ा मिला। जिस पर उन्होंने गाड़ी रोककर पूछा कि क्या बात हो गई। जिस पर उसने अपना एक्सीडेंट होने की बात कही। तभी मौके पर प्रियांशु का साथी बंटी वाल्मिकी एवं अन्य लोग आ गए। जिन्होंने आव देखा ने ताव सीधे गाली गलौंच कर फरियादी एवं उसके साथियों से मारपीट शुरू कर दी। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

बदमाशों ने मचाया उत्पात, मालिक से मारपीट कर की तोडफ़ोड़

गुना, देशबन्धु। धरनावदा थानांतर्गत ग्राम सुहाया में एक ढाबे पर बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान आरोपियों ने न सिर्फ ढाबे पर सामान के पैसे देने से इंकार किया बल्कि ढाबा संचालक के साथ जमकर मारपीट कर ढाबे में तोडफ़ोड़ की। मारपीट का शिकार ढाबा मालिक जिला अस्पताल के ट्रामा केयर सेंटर में भर्ती है। जहां उसका उपचार जारी है। मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आधा दर्जन से अधिक लोगों पर मारपीट, तोडफ़ोड़ सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी मेघराज उर्फ किट्टू लोधा ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि गत रात में वह अपने ढाबे पर बैठा था। तभी पुरापोसर निवासी अर्जुन पुत्र भूपत लोधा, अनिल पुत्र पर्वत लोधा, छोटू पुत्र लटूर लोधा, विक्की लोधा, सोनू लोधा एवं अमित पुत्र चंदन लोधा निवासी भूराचक उसके ढाबे पर खाना खाने आए। खाना खाने के बाद आरोपियों ने पुडिया, सिगरेट मांगी तो फरियादी ने पहले पैसे मांगे। जिस पर आरोपियों ने गाली गलौंच कर लुंहाडी, लाठी, डंडे से मारपीट कर दी। इसके अलावा दुकान के काउंटर एवं कुर्सी भी तोड़ दी। झगड़े में उनका मोबाईल एवं सोने की चैन भी गिर गई। घटना की जानकारी ढाबा कर्मचारियों ने डायल-100 को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची डायल-100 ने घायल ढाबा संचालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

आमजनों के लिए बन रहे परेशानी का कारण

धड़ल्ले से दौड़ रहे ओवर लोड वाहन

गुना, देशबन्धु। ओवरलोडिंग से इन दिनों हर कोई परेशान है, वहीं यातायात विभाग केवल दो पहिया वाहन चालकों की जांच पड़ताल के नाम पर चालान काटने में व्यस्त है। गुना मुख्यालय सहित तहसील एवं ग्रामीण अचंल में बड़ी संख्या में आम लोगों की जान से खिलवाड़ कर वाहनों में ओवरलोडिंग कर वाहन चल रहे हैं। चार से छह सवारियों की क्षमता में 18 से 20 सवारियों को इन आटो में भरा जाता है और फिर मनमाफिक गति से सवार गाड़ी को चलाकर मंजिल तक पहुंचाने की जल्दी रहती है। जिसके चलते कई बार भीषण हादसे भी हो जाते है। जिसमें सवारियों को जान तक गवानी पड़ती है। शहर की सडक़ों पर यह नजारे आम बात है। गुना से बजरंगगढ़, ऊमरी, बमोरी, राघौगढ़, झागर, धमनार आदि कस्बों में जाने वाली सवारी गाड़ी में ठूस-ठूस कर सवारियों को भरा जाता है। सवारियां भी मजबूरी में बस टैक्सियों, आटो में बैठ जाती है। चालक सवारियों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। ओवरलोडिंग की समस्या से इन दिनों नगर के लोग भी काफी परेशान है। नगारिकों द्वारा इन ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई की मांग की जा रही है।

शहर में ऑटो चालकों के साथ मालवाहक भी अपने वाहनों में सवारियों को बैठाने में पीछे नहीं है। जिले की सडक़ों पर चंद रुपयों के लालच में ओवरलोडिंग खुलेआम हो रही है। स्थिति यह है कि लोग बस या अन्य वाहनों की छतों पर बैठकर सफर करने को मजबूर हैं।

ऐसे में थोड़ी सी चूक होते ही दुर्घटना घट जाती है। लेकिन इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारी मौन बने हुए है। इनमें से कई यात्री वाहनों के पास परमिट नहीं है। वहीं अन्य कई कमियां भी इन यात्री वाहनों में बनी हुई है। इसके बाद यात्री बसें सहित अन्य कई वाहन ओवर लोड सवारियां बिठाने से भी नहीं चूक कर रहे है। इन ओवरलोड वाहनों में बिजली के लटकते तारों से कभी भी हो हादसा हो सकता है। परिवहन विभाग के साथ विद्युत कंपनी भी लापरवाह है। छत पर सामान रखकर ओवरलोड बसें दौड़ रही हैं। बिजली के लटके हुए तारों के नीचे से निकलती बसों से कभी भी एक बड़ा हादसा हो सकता है।

दोनों पक्षों की शिकायत पर एक-दूसरे के खिलाफ हुआ मामला दर्ज

सरकारी जमीन जोतने को लेकर भिड़े 2 पक्ष, जमकर चले लाठी-डंडे

गुना, देशबन्धु। बजरंगगढ़ थानांतर्गत ग्राम बादली में सरकारी जमीन जोतने को लेकर गांव के दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान दोनों ओर से लाठी-डंडे और धारदार हथियार चले। विवाद में दोनों पक्षों की ओर से आधा दर्जन से अधिक घायल हो गए। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर उभयपक्षीय मामले दर्ज किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पहले पक्ष के फरियादी देशराज पुत्र मुसाब सिंह यादव ने बताया कि सरकारी जमीन जोतने को लेकर उनका गांव के कृष्णभान सिंह एवं उसके परिवार वालों के साथ विवाद चल रहा है। गत दिवस जब वह अपनी भैंसे लेकर शंकर यादव के घर के सामने से निकले तो शंकर एवं राजू यादव ने उसके साथ लाठी-डंडे से मारपीट कर दी। मौके पर बचाने आए चाचा कृष्णभान यादव, कृपाल सिंह यादव, रामपाल सिंह यादव, राजेन्द्र यादव और दादा जमनालाल पर भी दोनों के अलावा उनके परिजन रामकुमार यादव, फतेहगढ़ यादव, ह्दयराम यादव ने हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गए। मामले में पुलिस ने मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

वहीं दूसरे पक्ष के फरियादी ने शंकर सिंह पुत्र बादल सिंह ने घायल अवस्था में पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि वह गत सुबह अपने घर के बाहर बैठे थे। तभी उनके गांव के रामपाल, देशराज, दिनेश, मुसाब लाठी-डंडा लेकर आए और पुराने विवाद में गाली गलौंच कर हमला कर दिया। उन्हें बचाने आए फतेहसिंह, राजू, रूबी, रामकुमार के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। पुलिस ने शंकर सिंह की शिकायत पर भी आरोपियों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

भाजपा की ऐतिहासिक जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा : सिकरवार

गुना, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत के साथ गुना जिले की चार में से 2 विधानसभा सीटों पर कमल खिल गया। जिसको लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार ने गुना विधायक पन्नालाल शाक्य एवं प्रियंका मीणा को गुना और चाचौड़ा विधानसभा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर बधाई शुभकामनाएं देते हुए चारों विधानसभा के मतदाताओं और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई के साथ उनकी मेहनत और परिश्रम पर जनता का धन्यवाद आभार माना। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश की सबसे चर्चित शीट राधौगढ़ में हम बहुत कम अंतर से हारे हे और हम इसे जीत के रूप में ही मान रहे हे। वह अपने ग्रह जिले में 2018 के चुनाव में 43 हजार से जीते आज वह मात्र 4500 पर सिमट कर रह गए।

इसी के साथ पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह भी चाचौड़ा विधानसभा से 60 हजार 563 मतों से प्रियंका मीणा से उन्हें हरा दिया जो इतिहास बना हे। भाजपा जिला मिडिया प्रभारी विकास जैन ने बताया कि गुना विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी पन्नालाल शाक्य ने अपने पुराने जीत के रिकार्ड को तोड़ते हुए 1लाख 14 हजार 801 मत प्राप्त कर 66 हजार 454 से जीत हासिल कर गुना में इतिहास रच दिया। जीत के बाद हजारों समर्थकों के साथ पन्नालाल शाक्य पी जी कालेज पहुंचे और उन्होंने अपना जीत का प्रमाण पत्र लिया। उसके बाद कालेज परिसर से हजारों कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाते हुए जलूस निकाला। जिसमें पन्नालाल शाक्य, जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार के साथ एक खुली जीप में सवार हुए और नगर वासियों की बधाई लेते हुए सभी मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद आभार व्यक्त किया। तो वही कांग्रेस प्रत्याशी को 48 हजार 347 मत ही प्राप्त हुए। इसी के साथ चाचौड़ा विधानसभा से भाजपा प्रत्यासी प्रियंका मीणा पेंची को1 लाख 9 हजार 301 मत प्राप्त कर 60 हजार 563 मतों से जीत हासिल कर किले में सेंध लगाने में कामयाम रही।

भ्रष्टाचार : सड़क इतनी घटिया की हाथों से कुरेदने पर निकलने लगी डामर

गुना, देशबन्धु। बमोरी विधानसभा अंतर्गत फतेहगढ़ के ग्राम रंगपुरा से कलोरा के बीच बनी लाखों रुपए की डामर की सडक़ में भ्रष्टाचार मात्र चंद दिनों में ही सामने आ गया। यहां सडक़ की डामर की स्थिति यह है कि ग्रामीण अपने हाथों से ही उखाडक़र सडक़ में हुए भ्रष्टाचार की पोल खोल रहे हैं। दरअसल बमोरी विधानसभा के फतेहगढ़ के पास रंगपुरा से कलोरा रोड अधिकारियों की मिली भगत से बहुत ही घटिया सडक़ डाली जा रही है। सोमवार को जब रंगपुरा के लोगों ने रोड पर जाकर देखा और ठेकेदारदार के कर्मचारियों को बोला तो कर्मचारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। ग्रामीणों के अनुसार यहां लाखों रुपए की लागत वाली सडक़ जिसका निर्माण कार्य भी पूरा नहीं हुआ है, वो जगह जगह से उखडऩे लगी है। सडक़ में घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग व मिलीभगत का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने इसकी शिकायत की है। ग्रामीणों के अनुसार सडक़ निर्माण के दौरान डाले गए डामर की परतें हाथ से ही उतरने लगी है। इसके अलावा रोड की साईडों में न तो ग्रेवल डाला है और न ही लेविलंग की है। ग्रामीणों ने निर्माण की गुणवत्ता व मेटेरियल की जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार सडक़ निर्माण में अनियमितता के साथ ही घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है। फिलहाल जितनी दूर तक सडक़ बनी है, उसमें कहीं से भी कोशिश करने पर हाथ से ही डामर की परतें आसानी से उखड़ रही हैं।

भीषण एक्सीडेंट में दूल्हे के छोटे भाई की मौत, एक भोपाल रेफर

गुना, देशबन्धु। शहर के नानाखेड़ी पुलिया के पास देर रात्रि में हुए भीषण एक्सीडेंट में एक व्यक्ति की घटनास्थल पर मौत हो गई। वहीं एक अन्य व्यक्ति को गंभीर घायल अवस्था में भोपाल रेफर किया गया है। बताया जाता है कि दोनों व्यक्ति मोटरसाइकिल पर थे जिनकी टक्कर उस वक्त ट्रक से हो गई जब यह शादी समारोह से किसी जरूरी शादी-ब्याह के सामान को लेने के लिए गुना शहर आ रहे थे। प्राप्त मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय विद्यालय के पास बृज विहार कॉलोनी में एक रजक परिवार में शादी समारोह था।

इसी शादी समारोह के जरूरी कार्य से प्रमोद रजक निवासी ग्राम देवरी और अशोक रजक निवासी ग्राम खेजरा के दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से सामान लेने के लिए गुना आ रहे थे। रात्रि 11-12 बजे के बीच ट्रक ने दोनों में टक्कर मार दी। जिसमें एक व्यक्ति प्रमोद रजक निवासी देवरी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि अशोक रजक निवासी ग्राम खेजरा गंभीर अवस्था में भोपाल रेफर किया गया है। रजक समाज के लोगों से मिली जानकारी के अनुसार,एक्सीडेंट में मृत प्रमोद केंद्रीय विद्यालय के पास बृज विहार कॉलोनी में होने वाली रजक समाज की शादी के दूल्हे का छोटा भाई बताया जाता है। सोमवार को शव का पीएम कराकर पुलिस ने शव को परिजनों को सौंपा है। वहीं पुलिस ने मामले में मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

कच्चे अंडे देने पर दुकानदार और ग्राहक में चले लाठी-डंडे

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत अंडा खाने को लेकर दुकानदार और ग्राहक में आपसप में भिड़त हो गई। इस दौरान दोनों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। पुलिस ने भी दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी इरफान पुत्र रसीद खान निवासी जीनघर ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई कि गत दिवस उनके भाई इमरान खान जीनघर में पुल के नीचे अंडे की दुकान लगाए हुए थे। तभी शाम को उनकी दुकान पर वीरेन्द्र कुशवाह अंडा लेने आया था। तभी अंडे के लेनदेन के ऊपर से वीरेन्द्र ने गाली गलौंच करने लगा। गाली गलौंच की आवाज सुनकर वह भी दुकान पर आए। इस दौरान आरोपी ने डंडे से दोनों भाईयों के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में इमरान खान घायल हो गया। जिसे परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मामले में पुलिस ने आरोपी पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

मामले में दूसरे पक्ष के फरियादी वीरेन्द्र कुशवाह ने भी अपने दोस्त गोलू कुशवाह के साथ कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई कि वह शहनाई गार्डन के पास विनोद गौड की गजक की दुकान पर काम करता है। रात्रि 8ञ्30 बजे वह इमखान खान की अंडे की दुकान पर अंडे ले गया था। इस दौरान उसने सौ रुपए के अंडे लिए थे, उसमें कुछ अंडे कच्चे थे। जिस पर फरियादी ने इमरान से कहा कि तेरे अंडे कच्चे हैं। इसी बात पर इमरान ने उसके साथ गाली गलौंच करते हुए लात-घूसों से मारपीट कर दी।

घर से गुम नाबालिक किशोर को किया दस्तयाब

गुना, देशबन्धु। आरोन पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र से गुम हुए नाबालिग किशोर को पुलिस द्वारा सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 नवम्बर को पीड़ित बालक के पिता द्वारा आरोन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि 26 नवम्बर 2023 के दोपहर में उसका 14 वर्षीय नाबालिग पुत्र घर से गांव में खेलने के लिये जाने का बोलकर गया था। लेकिन जो देर शाम तक वापस घर नही लौटा तो उसके द्वारा अपने लडके को हर संभावित जगह पर तलाश कर लिया लेकिन उसका कहीं कोई पता नही चल पा रहा है, जिसकी रिपोर्ट पर से आरोन थाने में अपराध क्रमांक 820/23 धारा 363 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया था। उक्त प्रकरण में अपहृत नाबालिग किशोर की जल्द से जल्द दस्तयाबी हेतु आरोन थाना प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार गुप्ता द्वारा थाने से तत्काल पुलिस की एक टीम गठित कर अपहृत बालक की तलाश हेतु लगाया गया ।

रेड रिबन के शिविर में 35 विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

आष्टा, देशबन्धु। शहीद भगतसिंह शासकीय स्नातक महाविद्यालय में एड्स जागरुकता पखवाड़े के अन्तर्गत रेड रिबन क्लब द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन शहरी स्वास्थ्य केन्द्र और जिला स्वास्थ्य समिति सीहोर के सहयोग से किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नेहा अरोरा एम.ओ. शासकीय चिकित्सालय आष्टा और पत्रकार किरण रांका उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन और माल्यार्पण कर किया गया। जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. पुष्पलता मिश्रा कार्यक्रम प्रभारी डॉ. ललिता राय, विनोद पाटीदार सहित डॉ. अबेका खरे, डॉ. बेला सुराणा, डॉ. मेघा जैन, वसीम खान आदि उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत रेड रिबन लगाकर और पुष्प भेंटकर किया गया। रक्तदान शिविर में सर्वप्रथम रक्तदान महाविद्यालय के सहायक ग्रंथपाल रूप किशोर शर्मा और स्टॉफ के सदस्यों ने किया। इसके बाद महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। 35 विद्यार्थियों के रक्तदान के साथ ही ब्लड टेस्ट और ब्लड ग्रुप के लिए करीब 62 सेम्पल भी लिए गए और जिन विद्यार्थियों में हीमोग्लोबिन कम पाया गया, उन्हें दवाईयां भी दी गई। रक्तदान के इस अभियान में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

डॉ. नेहा अरोरा एम.ओ., रीना गोरेल नर्सिंग ऑफीसर, जया मेवाड़ा, रेखा भावसार, अम्बर मालवीय, लेब टेक्नीशियन, शुभम परमार, दानिश, प्रियंका रघुवंशी नर्सिंग ऑफीसर, राहुल मालवीय लेब टेक्नीशियन, अमन सहित समस्त यूनिट का कार्य सराहनीय रहा।

लोगों को नहीं रही मौसम खुलने की उम्मीद

गुना, देशबन्धु। लगातार बन रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण गुना सहित अंचलभर में बादल छाए एक सप्ताह से अधिक समय हो गया है। इस दौरान रूक-रूक कर बारिश भी होती रही। विक्षोभ का असर कम होते ही मौसम में परिवर्तन होने लगा है। हालांकि सर्दी का असर अब भी बरकार है। लोग रात में सडक़ किनारे अलाव जलाकर सर्दी से बचने का प्रयास कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो-तीन दिन मौसम इसी तरह का रहेगा। लेकिन फिलहाल कोई विक्षोभ नहीं होने से बारिश की संभावना नहीं है। दिसंबर के दूसरे सप्ताह में सर्दी का असर तेज रहेगा। इस बार कोल्ड-डे कम रहेंगे। इधर लगातार अंचल में आसमान में बादल छाए रहने से सोमवार को दिन में धूप कुछेक समय के लिए नजर आई। आममान में बादल देखकर लोगों ने उम्मीद लगाई कि पानी बरस सकता है। बादलों को देखकर खासकर किसानों को उम्मीद बंधी कि मावठ हो सकती है। क्योंकि मावठ ऐसे में रबी सीजन की फसलों के लिए फायदे भरी साबित होगी। सोमवा सुबह हल्की बूंदाबादी भी हुई। जिससे मात्र सडक़ें ही गीलीं हो सकीं। इसके बाद सुबह से ही बादल छाए रहे। दोपहर होने तक भी सूर्यदेव की किरणें बादलों को पार नहीं कर पाईं। फिर दोपहर में कुछ समय के लिए धूप खिली, लेकिन उसके बाद फिर से बादल छा गए। उसके बाद शाम तक सूर्यदेव आसमान पर नजर नहीं आए। क्योंकि बादल घने छाए थे।

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार जो बादल छा रहे हैं वे मावठ का संकेत दे रहे हैं। एक-दो दिन में बूंदा-बांदी के आसार हैं। अगर हल्की मावठ भी हो गई तो वह सरसों समेत गेहूं चना की फसलों के लिए बहुत ही फायदे भरी होगी। ऐसे में मावठ से फसलों को जीवनदान मिलेगा।

सड़कों पर कचरा फेंकने से बाज नहीं आ रहे लोग

गुना, देशबन्धु। *लोग गंदगी फैलाने से वाज नहीं आ रहे हैं, कई बार समझाइश देने के बाद भी लोग सडक़ों पर ही कचरा फेंक रहे हैं। दुकानदारों को कई बार यह समझाइश दी जा चुकी है कि दुकान से निकलने वाले कचरे को डस्टबिन में डालें और वह कचरा, कचरा वाहन में ही डालें, लेकिन ऐसा एक भी दुकानदार नहीं कर रहा है।*

मुख्य मार्ग पर ऐसे कई दुकानदार रात होते ही दुकान से निकलने वाला कचरा सडक़ पर डालते हुए नजर आते हैं और सुबह सफाई कर्मियों के लिए साफ करना पड़ता है, जबकि दुकानदारों के लिए कचरा सडक़ पर फेंकने पर कार्रवाई के लिए हिदायत दी जा चुकी है। जब तक इस ओर नपा सख्त रुख अख्तियार नहीं करता है तब तक शहर के लोग भी स्वच्छता अभियान में अपना सहयोग नहीं देंगे। शहर की अधिकांश दुकानों से डस्टबिन गायब हो चुके हैं। यदि दुकानदार अपनी-अपनी दुकानों पर डस्टबिन रखते तो

यहां से निकलने वाले कचरे को लोग डस्टबिन में ही डालते जिससे सडक़ पर गंदगी नहीं फैलती, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है। जिससे जगह-जगह गंदगी फैली है। इतना ही नहीं कचरा का उठाने वाले कर्मचारी भी समय से कचरा का उठाव नहीं करती है जिस वजह से हवा चलने पर यह कचरा सडक़ों पर उडऩे से फिर से गंदगी फैल जाती है। कई स्थानों पर डस्टबिन गायब हो चुके हैं और ऐसे में लोग जहां डस्टबिन रखा तो उसी जगह कचरा डाल रहे हैं।

होटल संचालक फैला रहे सबसे ज्यादा गंदगी : *कुछ दुकानदार सूखा कचरा सडक़ पर फेंकते हैं तो वहीं दूसरी ओर रात में दुकान बंद करते समय सबसे ज्यादा गंदगी होटल संचालक फेंकते हैं। शहर के मुख्य मार्गों, चौक चौराहों पर संचालित चाय की दुकानों पर संचालकों द्वारा डिस्पोजल आदि को सडक़ पर ही फेंक दिया जाता है, जिसे वहां घूमने वाले मवेशी खाकर बीमार हो जाते हैं। यह सब नपा से चंद कदम दूर होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होती है।*

वहीं दूसरी ओर होटल संचालक भी रात में दुकान बंद करते समय दुकान के बचे खाने-पीने के सामान सहित डिस्पोजल आदि को सडक़ पर फेंकते हैं, लेकिन अभी तक उन पर जिम्मेदारों के द्वारा एक बार भी कार्रवाई नहीं की गई है।

भोपाल में 82 उम्मीदवारों की जमानत जप्त, 58 तो नोटा से भी हारे

भाजपा और कांग्रेस में ही रहा मुकाबला तीसरे नंबर पर बसपा या आप रही

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल की सातों विधानसभा के चुनाव नतीजे सामने आ चुके हैं। यहां सभी क्षेत्रों में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहा और 5 क्षेत्रों में भाजपा तो 2 में कांग्रेस उम्मीदवार ने जीत हासिल की। मतों के मामले में इन दोनों दलों के आसपास भी तीसरी पार्टी या निर्दलीय उम्मीदवार नहीं रहे। ज्यादातर निर्दलीय तो 3 अंकों में भी मत प्राप्त नहीं कर सके। चुनावी मैदान में कुल 96 उम्मीदवार थे। इनमें से कांग्रेस और भाजपा के 14 उम्मीदवारों को छोड़कर सभी 82 की जमानत जब्त हो गई है। वहीं, 58 उम्मीदवार तो ऐसे रहे जो इनमें से कोई नहीं यानी नोटा से ही हार गए। वही ज्यादातर क्षेत्रों मे तीसरे नंबर पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) या फिर आम आदमी पार्टी (आप) ही रही।

उत्तर : भतीजे से 94 हजार वोटों से हारे आमिर

भोपाल की सबसे चर्चित भोपाल उत्तर विधानसभा रही। यहां से पूर्व विधायक आरिफ अकील ने अपने बेटे आतिफ अकील को कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़वाया। इससे उनके भाई आमिर अकील बागी होकर मैदान में उतर गए। आमिर ने निर्दलीय चुनाव लड़ा। शुरुआत से ही वे भाजपा के आलोक शर्मा से अपना मुकाबला होने की बात कहते रहे, लेकिन यहां आतिफ ने मतों के बड़े अंतर से जीत हासिल की। आतिफ को कुल 96 हजार 125 मत मिले, जबकि आमिर को 1 हजार 837 मत ही मिले। इस तरह आमिर अपने भतीजे आतिफ से 94 हजार 288 मतों से ही हार गए। यहां आतिफ पहले, भाजपा उम्मीदवार आलोक शर्मा दूसरे और आमिर तीसरे नंबर पर रहे। इसी क्षेत्र से कांग्रेस के नेता रहे नासिर इस्लाम भी निर्दलीय होकर चुनाव लड़े थे, लेकिन वे 550 मत ही प्रापत कर सके। आम आदमी पार्टी के मोहम्मद सऊद को 735 मत ही मिल सके।

नरेला : नोटा को सबसे कम मत

नरेला से भाजपा के विश्वास सारंग ने जीत हासिल की। उन्हें 1 लाख 24 हजार 552 मत मिले, जबकि 99 हजार 983 मत लेकर कांग्रेस के मनोज शुक्ला दूसरे नंबर पर रहे। यहां तीसरे नंबर पर बसपा के मुकेश गौर रहे, जिन्हें 1 हजार 93 मत मिले हैं। आम आदमी पार्टी की रईसा बेगम मलिक को 660 मत मिले। इस सीट पर नोटा को सबसे कम 78 वोट मिले।

गोविंदपुरा : नोटा को सबसे ज्यादा मत

गोविंदपुरा सीट पर भाजपा की कृष्णा गौर ने रिकॉर्ड 1 लाख 6 हजार से अधिक मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के रवींद्र साहू को कराया। इस क्षेत्र में तीसरे नंबर पर आम आदमी पार्टी के सज्जन सिंह परमार रहे, जिन्हें 3 हजार 602 मत मिले। नोटा को सबसे ज्यादा 2 हजार 561मत मिले। यहां कुल 17 में से 14 उम्मीदवार नोटा से हार गए।

बैरसिया: 9 में से 6 नोटा से हार गए

बैरसिया विधानसभा में भाजपा ने फिर से कब्जा जमाया है। यहां से विष्णु खत्री ने जीत की हैट्रिक लगाई। यहां कुल 9 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें से पहले नंबर पर भाजपा के खत्री, दूसरे पर कांग्रेस की जयश्री हरिकरण और तीसरे नंबर पर बसपा के मस्तार विश्राम सिंह अहिरवार रहे। श्री अहिरवार को 2 हजार 525 मत मिलें। यहां नोटा को 1 हजार 827 मत मिले। यानी 6 उम्मीदवार नोटा से हार गए।

हुजूर: नोटा किसी को नहीं हरा पाया

हुजूर विधानसभा में कुल 6 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें से भाजपा के रामेश्वर शर्मा ने रिकॉर्ड 97 हजार 910 मतों से जीत हासिल की। दूसरे नंबर पर कांग्रेस के नरेश ज्ञानचंदानी रहे। तीसरे नंबर पर बसपा के रणधीर भोजने और चौथे पर आम आदमी पार्टी के डॉ. रवि द्विवेदी रहे। नोटा को 210 मत मिले, जो किसी भी उम्मीदवार को नहीं हरा सका। यानी सभी को नोटा से अधिक मत मिलें।

दक्षिण-पश्चिम: बसपा तीसरे नंबर पर

भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा में चौंकाने वाला परिणाम देखने को मिला। चूंकि यह क्षेत्र भाजपा ने कांग्रेस से छिन लिया। यहां भाजपा के भगवानदास सबनानी ने कांग्रेस के पीसी शर्मा से 15 हजार 833 मतों से जीत हासिल की। तीसरे नंबर पर बसपा के सुधीर उबनारे रहे। यहां नोटा को 1 हजार 189 वोट मिले हैं। वहीं कुल 11 उम्मीदवार में से 8 को नोटा से कम वोट मिलें।

मध्य: 15 में से 13 नोटा से हुए पराजित

भोपाल मध्य विधानसभा में भाजपा और कांग्रेस के बीच ही मुकाबला रहा। यही कारण है कि कुल 15 में से 13 उम्मीदवार ऐसे रहे, जो नोटा से ही हार गए। यहां नोटा को 1 हजार 151 मत मिले। इससे आगे भाजपा और कांग्रेस के ही उम्मीदवार रहे। तीसरे नंबर पर रहे बीएसपी के उधम सिंह भी नोटा से कम 560 मत ही प्राप्त कर सके। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में कांग्रेस के आरिफ मसूद ने भाजपा के ध्रुवनारायण सिंह को 15 हजार 891मतों से हराया है।

चुनाव जीतते ही मैदान में उतरे विधायक, कोलार सिक्सलेन का किया निरीक्षण

भोपाल, देशबन्धु। चुनाव जीतते ही हुजूर से विधायक रामेश्वर शर्मा सोमवार सुबह कोलार रोड सिक्सलेन प्रोजेक्ट का निरीक्षण करने पहुंच गए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी, नगर निगम समेत अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ कोलार में बन रहे 222 करोड़ रुपए लागत के सिक्सलेन प्रोजेक्ट का करीब दो घंटे निरीक्षण किया और अफसरों को तेजी लाने के निर्देश दिए। तीसरी बार विधायक बने रामेश्वर शर्मा ने कहा कि सर्वधर्म पुल से कोलार तिराहे के बीच हिस्से के निर्माण में तेजी लाई जाए। जिन जगहों पर स्ट्रीट लाइट का काम बचा है, वह भी तेजी से करें। सिक्स लेन की सभी एप्रोच रोड का निर्माण कम से कम 50 मीटर तक हो। ड्रेनेज सिस्टम एवं नाला नाली के निर्माण का काम जल्दी निपटाया जाए। उन्होंने कहा कि जनता ने जितनी बड़ी जीत दी है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी के साथ काम करना है। जनता का मत रूपी आशीर्वाद मेरे ऊपर एक ऋण है। इस ऋण को चुका तो नहीं सकता लेकिन सेवा के संकल्प को पूरा करने में कोई कसर नहीं रहने दूंगा।

टेंट कारोबारी को संदेश भेजकर मांगी थी फिरौती, फिर गोलियां मारी

खुद को दुबई के गिरोह का गुर्गा बताकर एक करोड़ के लिए धमकाया था

भोपाल, देशबन्धु। तलैया इलाके में रविवार को टेंट कारोबारी पर गोलियां मार कर चाकू, तलवार से हमला करने के मामले में पुलिस ने नया राजफाश कर दिया। दरअसल सोमवार को घायल कारोबारी के स्वजनों ने पुलिस को एक आडियो रिकार्डिंग सौंपी है। इसमें हमलावरों ने खुद को दुबई की गिरोह का गुर्गा बताते हुए एक करोड़ रुपए देने और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धकमी दी गई थी।

थाना प्रभारी तलैया सीबी राठौर ने बताया कि आडियो में कहा गया है कि यदि पैसे नहीं दिए तो 3 दिसंबर को मौत का दिन तय कर दिया जाएगा। व्यापारी ने इस रिकार्डिंग को नजरअंदाज किया, जिसके बाद 3 दिसंबर को उस पर जानलेवा हमला किया गया। प्रारंभिक जांच में आडियो स्थानीय भाषा में रिकार्ड किया गया है। भेजने वाला नंबर भी स्थानीय पाया गया है। वहीं मौके से मिली गोली बैलीस्टिक जांच में देसी कट्टे से फायरिंग की पुष्टि हुई है इसलिए दुबई कनेक्शन सिर्फ डराने धमकाने के लिए दिखाया जा रहा है। यह विवाद दुकान खाली करने का है जिसे दुबई गिरोह का हवाला देकर भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस को अंदेशा है कि तलैया इलाके में दुकान खाली करने के विवाद में एक युवक ने ही कारोबारी पर हमला करवाया है।

पुलिस ने संदिग्ध को हिरासत में लेकर तीनों अज्ञात आरोपियों का पता लगाने का प्रयास शुरू कर दिया है। पुलिस जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लेगी। उल्लेखनीय है कि रविवार को तलैया इलाके में टेंट हाउस का काम करने वाले 30 वर्षीय युवक नवाज रियाज पर तीन आरोपितों ने देशी कट्टे से फायरिंग की थी एवं चाकू, तलवार से हमला कर उन्हें गंभीर घायल किया था।

बीटेक की छात्रा ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल, देशबन्धु। जहांगीराबाद इलाके में किराए से रहने वाली बी.टेक की छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसा आफरीन रुकैया शेख उम्र21 वर्ष मूल रूप से हैदराबाद की रहने वाली थी। वह पढ़ाई करने के लिए भोपाल आई थी और जहांगीराबाद बाजार में किराए का कमरा लेकर रह रही थी। वह रातीबढ़ के एक निजी कॉलेज से बी.टेक द्वतीय वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। सोमवार सुबह उसकी मां ने मकान मालिक को फोन किया। उन्होंने बताया कि बेटी फोन नहीं उठा रही है, उससे बात करा दें। मकान मालिक जब आफरीन के कमरे पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाजें देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। तब उन्होंने एक खिड़की से अंदर झांककर देखा तो शव फंदे पर लटका दिखा। इसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आफरीन का शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जानकारी मृतका के परिजनों को दे दी गई है। उनके आने के बाद मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पत्र में माता-पिता से माफी मांगी

बताया गया है कि पुलिस को मृतका के कमरे से एक पत्र मिला है। इसमें छात्रा ने आत्महत्या के लिए स्वयं को जिम्मेदार बताया। मां-पिता से माफी मांगी और लिखा कि मैं आपकी उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। लेकिन पत्र में खुदकुशी के लिए सही कारणों का जिक्र नहीं किया है।

जिला टास्क फोर्स की बैठक अब आज होगी

भोपाल, देशबन्धु। जिला टास्क फोर्स की बैठक कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में 5 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से कलेक्टेट सभागार में आयोजित की गई है। पोलियो अभियान 10 से 12 दिसंबर राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं सेंस अभियान की बैठक 4 दिसंबर को आयोजित बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित की गई । अब यह बैठक 5 दिसंबर को आयोजित की गई है। इसमें सभी संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित होने के निर्देश है।

महिला के साथ किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। पति से अलग रह रही महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया गया है कि आरोपी ने तीन दिन पहले महिला से दुष्कर्म किया, बाद में उसने दूसरे दिन भी उसके साथ गलत काम किया। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी। इस पर महिला ने थाने जाकर आरोपित के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया

पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय महिला बैरागढ़ इलाके में रहती है। वह बुटीक का संचालन करती है। कई महीनों पहले वह विकास दुधानी नाम के युवक से संपर्क में आई थी। विकास का महिला की दुकान पर भी आना-जाना था। उसका महिला के घर आना-जाना था। तीन दिन पहले बंटी महिला के घर पहुंचा तथा उसने सूनेपन का फायदा उठाकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। अगले दिन भी उसने महिला के साथ दुष्कर्म किया। कल महिला ने जब शादी करने की बात कही विकास ने महिला के साथ मारपीट कर दी। इसके बाद महिला ने थाने जाकर शिकायत कर दी। पुलिस ने विकास के खिलाफ बलात्कार व मारपीट का प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

तीसरी लाइन के कारण ट्रेनें निरस्त, यात्री परेशान

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल-इटारसी रेल खंड पर बुधनी-बरखेड़ा (घाट सेक्शन) के बीच तीसरी लाइन कार्य के चलते रेलवे ने छिंदवाड़ा से होकर इंदौर जाने वाली पेंचवैली एक्सप्रेस और फिरोजपुर तक जाने वाली पातालकोट एक्सप्रेस निरस्त किया है। अब दस दिसंबर तक इन ट्रेनों का परिचालन नहीं किया जाएगा। जिसके चलते यात्रियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रेलवे ने कार्य के चलते इंदौर-सिवनी पेंचवेली एक्सप्रेस नौ दिसंबर तक वहीं, छिंदवाड़ा-इंदौर पेंचवेली एक्सप्रेस दस दिसंबर तक निरस्त किया है। इसके अलावा फिरोजपुर से सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस नौ दिसंबर तक तथा सिवनी-फिरोजपुर पातालकोट एक्सप्रेस को दस दिसंबर तक निरस्त किया है। वहीं डा. अंबेडकर नगरङ्कनागपुर एक्सप्रेस पांच दिसंबर को तथा नागपुर-डा. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस छह दिसंबर को निरस्त रहेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रानी कमलापति एक्सप्रेस सात दिसंबर को तथा रानी कमलापति-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस आठ दिसंबर को निरस्त रहेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस सात दिसंबर को तथा गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस

एक्सप्रेस नौ दिसंबर को निरस्त रहेगी। नागपुर-जयपुर एक्सप्रेस सात दिसंबर को तथा जयपुर-नागपुर एक्सप्रेस आठ दिसंबर को निरस्त रहेगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस-आगरा कैंट एक्सप्रेस आठ दिसंबर को तथा आगरा कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस नौ दिसंबर को निरस्त रहेगी। पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस स्पेशल आठ दिसंबर को तथा गोरखपुर-एक्सप्रेस स्पेशल नौ दिसंबर को निरस्त रहेगी। दादर-बलिया एक्सप्रेस स्पेशल छह दिसंबर एवं आठ दिसंबर को तथा बलिया-दादर एक्सप्रेस स्पेशल आठ दिसंबर एवं दस दिसंबर को निरस्त रहेगी। दादर-गोरखपुर एक्सप्रेस स्पेशल सात दिसंबर को तथा गोरखपुर-दादर एक्सप्रेस स्पेशल नौ दिसंबर को निरस्त रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलाई जाने वाली ट्रेनें: जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस पांच, छह, सात और नौ दिसंबर को, बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस नौ दिसंबर तक तथा जबलपुर-इंदौर एक्सप्रेस सात दिसंबर से नौ दिसंबर तक अपने निर्धारित मार्ग के बजाय परिवर्तित मार्ग वाया जबलपुर-कटनी मुडवारा-बीना-भोपाल होकर गंतव्य को जाएगी।

नि:शक्तजनों के लिये सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना संचालित

भोपाल, देशबन्धु। नि:शक्त व्यक्तियों के लिये सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना प्रदेश सरकार द्वारा संचालित है। योजना के तहत नि:शक्त व्यक्तियों द्वारा सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा देने के लिये 20 हजार रूपये, मुख्य परीक्षा दिलाने के लिये 30 हजार रूपये और अंतिम चयन होने पर राज्य शासन द्वारा 20 हजार रूपये दिये जाते हैं। योजना का लाभ उन्हीं नि:शक्तजनों को दिया जाता है, जो मध्यप्रदेश के मूल निवासी हैं। सिविल सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद परीक्षा परिणाम तक सहायता राशि दी जाती है। उन्हीं आवेदनों को सहायता दी जाती है जो 40 प्रतिशत या उससे अधिक नि:शक्तता रखता हो मेडीकल बोर्ड का प्रमाण पत्र मान्य होगा।

कंपनी ने बीमित राशि नहीं दी, अब देना होगा 5 लाख का हर्जाना

भोपाल, देशबन्धु। कोई भी व्यक्ति खुद के साथ-साथ परिवार का स्वास्थ्य बीमा इसलिए कराता है, ताकि किसी बीमारी के इलाज में उसका लाभ मिल सके। ऐसे ही एक व्यक्ति ने परिवार का स्वास्थ्य बीमा लिया, लेकिन उनकी पत्नी के के इलाज में खर्च की गई राशि बीमा कंपनी ने देने से इंकार कर दिया। इस मामले में राज्य उपभोक्ता आयोग ने जिला आयोग के निर्णय को सही ठहराते हुए कंपनी पर करीब पांच लाख रुपये का हर्जाना लगाया।

दरअसल, न्यू सुभाष नगर निवासी हरीश दुबे ने द ओरियंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से 17 जनवरी 2008 से 16 जनवरी 2009 तक का बीमा कंपनी से पांच लाख रुपये की मेडिक्लेम पालिसी ली थी। इसके बाद फिर से उपभोक्ता हर साल पालिसी रिन्यू भी कराता रहा। 2008 में जब उपभोक्ता की पत्नी बीमार पड़ी तो इंदौर के अस्पताल में इलाज कराने पर करीब 19 हजार रुपये का बीमा कंपनी ने भुगतान भी किया, लेकिन दुबारा इलाज में खर्च हुई करीब पौने पांच लाख की राशि देने से इंकार कर दिया। मामला जिला आयोग पहुंचा तो उपभोक्ता के पक्ष में निर्णया सुनाया।

इस निर्णय के खिलाफ उपभोक्ता ने राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील लगा दी। बीमा कंपनी ने आयोग को तर्क रखा कि हर साल बीमा नवीनीकरण कराने में एक माह की देरी उपभोक्ता ने कर दी थी, इसलिए बीमा पालिसी निरंतर जारी नहीं रही। इस कारण बीमा राशि का लाभ नहीं मिलेगा। लेकिन आयोग ने बीमा कंपनी के इस तर्क को खारिज कर दिया और फटकार लगाते हुए कंपनी को इलाज में खर्च हुई चार लाख 79 हजार रुपये के साथ-साथ मानसिक क्षतिपूर्ति राशि 25 हजार रुपये देने का आदेश दिया।

मनमाने दामों पर बेंची जा रही खाद, किसान नाराज

बल्देवगढ़, देशबन्धु। खरगापुर नगर के कुड़ीला रोड पर पंकज दीक्षित द्वारा अपनी दुकान से बिना लाईसेंस के खाद की बिक्री कर खाद की कालाबाजारी खुलेआम धड़ल्ले से की जा रही है। इनके यहां से यूरिया और डीएपी खाद को महंगे और मनमाने दाम पर किसने को बेचा जा रहा है। यह सब जानकारी वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी सहित कृषि विभाग के तमाम अधिकारियों को होने के बावजूद भी विभाग के अधिकारियों द्वारा अभी तक पंकज दीक्षित पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उल्लेखनीय की विगत वर्ष पहले खाद की काला बाजारी करने पर कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा पंकज दीक्षित का लाइसेंस निरस्त कर एफ आईआर करने की निर्देश दिए थे। इसके बाद भी इनके द्वारा लगातार खाद की कालाबाजारी कर मनमाने दामों पर खाद बिक्री की जा रही है। शासन के नियम अनुसार डीएपी एवं यूरिया खाद की बिक्री बिना लाईसेंस और पंजीयन के नहीं की जा सकती। लेकिन खरगापुर में नियम को दरकिनार कर खाद की कालाबाजारी की जा रही है। यहां किसानों को यूरिया की बोरी 450 रूपए में दी जा रही है। तो डीएपी की बोरी मूल्य से 1600 रूपए ज्यादा में दी जा रही है। किसान रामस्वरूप लोधी, शंकर यादव, राजेंद्र यादव आदि ने बताया कि खरगापुर में कुड़ीला रोड पर पंकज दीक्षित द्वारा अपनी दुकान से बिना लाईसेंस के यूरिया एवं डीएपी खाद की कालाबाजारी की जा रही है।

भारतीय नौसेना दिवस पर किया आयोजन

संत हिरदाराम नगर, देशबन्धु। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में भारतीय नौसेना दिवस के मौके पर सोमवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को भारतीय नौसेना के अटूट समर्पण और निस्वार्थ सेवा का सम्मान करने का संदेश देना था।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि भारतीय नौसेना का इतिहास गौरवशाली रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को भारतीय नौसेना, उनके प्रयासों एवं उपलब्धियों की जानकारी होना आवश्यक है। रक्षा के क्षेत्र में करियर देश के सबसे प्रतिष्ठित एवं सम्मानित करियर में से एक माना जाता है। आप भी उत्साह, साहस और चुनौतियों से भरे इस क्षेत्र में अपना भविष्य निर्माण कर राष्ट्रहित में अपना योगदान दे सकते है। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट शिवानी पटेल ने भारतीय नौसेना पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किये। महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा इस सफल आयोजन पर नेशनल कैडेट कोर यूनिट को हार्दिक बधाई दी गई। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक और एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।

प्राचार्य सहित स्टाफ की मेहनत रंग लाई

शासकीय महाविद्यालय बैरसिया को नेक से मिला बी प्लस ग्रेड

भोपाल, देशबन्धु। बैरसिया के स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नेक टीम बेंगलोर द्वारा बी प्लस ग्रेड से नवाजा गया है । गौरतलब है कि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.राजू तिलंथे सहित सम्पूर्ण स्टाफ नेक पीयर टीम के भ्रमण को लेकर काफी सक्रिय थे ।

प्राचार्य डॉ तिलंथे ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा अपनी एसएसआर नेक बैंगलोर को जमा की जा चुकी थी जिसके बाद नेक बैंगलोर ने महाविद्यालय की भौतिक सुविधाओं को जांचने, परखने और उनका मूल्यांकन करने नेक पीयर टीम का दो दिवसीय भ्रमण स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय बैरसिया में किया था । टीम में चेयरपरसन डॉ. पूनमबादा जयनारायण ब्यास विश्वविद्यालय जोधपुर गुड़गाव एवं टीम के सदस्य प्रो सुबित मित्रा रविन्द्र भारती विश्वविद्यालय कलकत्ता ने महाविद्यालय में अधोसंरचना, अकादमिक गुणवत्ता,खेल परिसर, लेब आदि भौतिक सुविधाओं का मूल्यांकन किया । टीम ने स्टाफ एवं महाविद्यालय में दी जाने वाली पुस्तकालयीन सुविधाओं पुस्तकालय स्वचालन व्यवस्था एवं पुस्तकालय में विद्यार्थियों को दी जाने वाली बेहतर सुविधाओं की सरहाना भी की । भ्रमण के दूसरे दिन नेक पीयर टीम द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद बैंगलोर को अपना गोपनीय प्रतिवेदन भेजा जिसके तीन दिवस बाद मंगलवार को स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय बैरसिया को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद;नेक टीम बैंगलोर द्वारा बी प्लस ग्रेड दिया गया । महाविद्यालय को मिले ग्रेड से स्टाफ एवं विद्यार्थियों में खुशी का माहौल है ।

देशबन्धु

भोपाल, मंगलवार 5 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

कांग्रेस की कठिनाइयां और गुंजाइशें

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के रविवार को निकले नतीजों में कांग्रेस के हिन्दी पट्टी राज्यों में हुए पराभव से यह साफ है कि उसकी आगे की राह पहले के मुकाबले कहीं अधिक कठिन हो चली है। नवम्बर में विभिन्न चरणों में हुए चुनावों के बाद इनके परिणाम जब निकले तो उसकी छत्तीसगढ़ और राजस्थान की सरकारें छिन चुकी थीं और जिस मध्यप्रदेश को वह भारतीय जनता पार्टी से झटक लेने की मानसिकता में थी, वह भी हाथ नहीं आया। यह सच है कि भारत राष्ट्र समिति को हरा कर दक्षिण भारत का तेलंगाना उसकी झोली में आया है जो एक बड़ी उपलब्धि तो है पर आसन्न लोकसभा चुनाव (2024) के मद्देनज़र जो बड़ी छलांग लगाने की वह सोच रही थी, उसमें बड़ी रुकावट तीन राज्यों की पराजय है जिसने कांग्रेस के लिये आगे की सियासी राह को बहुत कठिन कर दिया है। फिर भी ऐसा नहीं कि वह खेल में कभी लौट ही नहीं सकेगी।

कांग्रेस की दिक्कतों एवं सम्भावनाओं पर विचार करते समय पहले उसकी कठिनाइयों पर चर्चा कर ली जाये। उसका सबसे बड़ा अवरोध तो यही है कि उसके बारे में भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा उनके अन्य सहयोगी संगठनों द्वारा बनाई गई अवधारणाएं एवं परिकल्पनाएं इस कदर प्रगाढ़ रूप से लोगों के मन में बिठा दी गई हैं, कि उनका निराकरण सहज रूप से होता सम्भव नहीं लगता। देश की सबसे पुरानी पार्टी एवं उसके नेताओं के बारे में जो जहरखुरानी की गई है उसके चलते जनता का एक बड़ा हिस्सा, खासकर नयी पीढ़ी उसे भ्रष्टाचार व वंश परम्परा का पोषण करने वाली पार्टी मानती है। राममंदिर आंदोलन के बाद से उसे अधर्मी एवं हिन्दू विरोधी दल के रूप में भी स्थापित किया गया है। 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जब से भारतीय जनता पार्टी केन्द्र में काबिज हुई है और आज जब केन्द्र के साथ उसकी बड़ी संख्या में राज्य सरकारें बन चुकी हैं, कांग्रेस के प्रति नफरत व नकारात्मकता का भाव सर्वत्र फैला दिया गया है। इसी का यह परिणाम है कि उसकी मुद्दा आधारित राजनीति को इन तीनों राज्यों में स्वीकार्यता नहीं मिल पाई। पिछले करीब एक दशक से भाजपा द्वारा हिन्दुओं व गैर हिन्दुओं के बीच जो अलगाव पैदा किया गया है, उसे मिटाने के लिये जब कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा निकालते हैं, तो उसके असर को खत्म करने के भी पुरजोर प्रयास भाजपा व उसके अनुषांगिक संगठन करते दिखाई देते हैं। एक तरह से कांग्रेस की समावेशी विचारधारा को खारिज कराने के सारे प्रयास किये गये हैं। इन तीन राज्यों में तो यही दिखाई दिया है। कम से कम छत्तीसगढ़ व राजस्थान में तो ध्रुवीकरण का मुद्दा मतदाताओं के सिर पर चढ़कर बोला। इसी प्रकार लोगों के मन में कांग्रेस व उसके नेताओं के प्रति भ्रष्टाचारी होने की अवधारणा भी मिटाये नहीं मिट रही है।

अपनी विचारधारा के प्रति लोगों को कैसे सहमत किया जाये, यह अब भी कांग्रेस की समझ से परे है। जिस राहुल के पीछे लाखों की भीड़ चलती रही और जिस कांग्रेस की प्रचार सभाओं में जनता की विशाल भागीदारी हुआ करती थी, उसी के द्वारा शासित राज्य की सरकारें भी उससे छीन जायें तो इसे अजूबा ही कहा जाएगा। ऐसे में मध्यप्रदेश को हासिल करना तो दूर की बात है।

इसके ठीक विपरीत तेलंगाना भी उदाहरण है जहां के लोगों ने भावनात्मक मुद्दों की बजाय यथार्थवादी मुद्दों को तरजीह देते हुए उसे शानदार जीत दिलाई। उसके पहले कर्नाटक में उसके द्वारा भ्रष्टाचार, वंश परम्परा के संवाहक तथा कट्टर साम्प्रदायिकता का पर्याय बन चुकी भाजपा को हराने का भी दृष्टांत भी है। और पहले जाएं तो हिमाचल प्रदेश भी है। ये तीनों राज्य बताते हैं कि अभी कांग्रेस के लिये सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। अगर वह संगठित तरीके से जनता के बीच जाये, चुनाव पूरी मुस्तैदी से लड़े और लोगों को समझाये तो कहानी बदली जा सकती है। तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश के बारे में कहा जा सकता है कि हिन्दी पट्टी से उसकी दूरी के कारण इन राज्यों की मानसिकता अलहदा है जो भावनात्मक मुद्दों को लेकर वैसी उद्वेलित नहीं होती, जिस प्रकार से हिन्दीभाषी व उनसे जुड़े कुछ अन्य इलाके हैं। दरअसल इस प्रखंड का नैरेटिव ही भाजपा-संघ की राजनैतिक व सामाजिक विचारधारा का अंश है। दुर्भाग्य से यही केन्द्रीय विमर्श भी बन गया है या यों कहा जाये कि बना दिया गया है।

इन सारी परिस्थितियों व भाजपा द्वारा बुने गये जाल को देखते हुए कांग्रेस का अन्य दलों से मिलकर बना गठबन्धन ही एकमात्र उपाय है जो भाजपा को मात दे सकता है। चुनावी बिसात पर होती उसकी पराजयों की भरपायी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इन्क्लूज़िव एलाएंस- जिसकी बुधवार को दिल्ली में बैठक होगी) के जरिये और उसकी मदद से नयी जमीन हासिल करके हो सकती है। यह अच्छी बात है कि अपनी स्थापना के करीब छह माह बाद भी और कांग्रेस को तीन राज्यों में मिली हार के बावजूद यह गठजोड़ न केवल अक्षुण्ण है वरन अब भी मिलकर आगे बढ़ना चाहता है। 28 दलों को मिलकर बने इंडिया की असली ताकत यह समझ है कि मिलकर ही वे भाजपा को मात दे सकते हैं। यह बात भी गठबन्धन के सामने साफ है कि उनका अस्तित्व तभी बचा रहेगा जब कांग्रेस का न सिर्फ वजूद बचा रहे वरन वह मजबूत भी बने। बेशक, कांग्रेस की राह को इन तीन राज्यों की पराजयों ने कठिन बनाया है लेकिन वह याद रखे कि उसका इतिहास गिरकर उठने का भी रहा है।

पर 2024 की कोई गारंटी नहीं है!

राजेंद्र शर्मा

आम चुनाव से ठीक पहले के विधानसभाई चुनावों के चक्र में प्रभावशाली जीत के बाद, भाजपा ने इन चुनावों को सिर्फ सेमीफाइनल ही नहीं, उससे आगे बढ़कर एक प्रकार से फाइनल भी कहना शुरू कर दिया है। मतगणना के ही दिन, 3 अक्टूबर को देर शाम, नई-दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित विजय सभा में अपने संबोधन में खुद प्रधानमंत्री ने जिस तरह तीन राज्यों की जीत को, 2024 के चुनाव की (जीत की) गारंटी बताया है, इसी का इशारा करता है। आने वाले दिनों में बार-बार चुनाव के इस चक्र की जीत को, 2024 के चुनाव में मोदी की शानदार जीत का संकेतक साबित करने की कोशिश नहीं की जा रही हो, तभी हैरानी की बात होगी। बहरहाल, इस संदर्भ में, संक्षेप में यह याद दिला देना उपयोगी रहेगा कि इस चक्र के नतीजे और उसमें भी खासतौर पर हिंदी पट्टी के तीन राज्यों—राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़—के नतीजे, ठीक-ठीक क्या कहते हैं और क्या नहीं कहते हैं।

यह निर्विवाद है कि इस चुनाव में तीनों हिंदीभाषी राज्यों में भाजपा को जोरदार जीत हासिल हुई है और आम तौर पर विपक्ष को और खासतौर पर कांग्रेस को तगड़ा झटका लगा है। भाजपा ने 2018 के चुनाव के इसी चक्र के नतीजों को पूरी तरह से पलटते हुए, इन तीनों राज्यों में दोबारा सत्ता पर कब्जा ही नहीं कर लिया है, उस मध्य प्रदेश में भी उसने शानदार जीत दर्ज कराई है, जहां 2018 की हार के करीब डेढ़ साल बाद, दलबदल के जरिए उसने फिर से सत्ता हासिल कर ली थी और इस तरह इस बार चुनाव के समय उसकी ही सरकार थी। इस तरह, भाजपा ने इन तीन राज्यों में अपनी राज्य सरकारों की संख्या एक से बढ़ाकर तीन ही नहीं कर ली है, उसने सारे पूर्वानुमानों को झुठलाते हुए मध्य प्रदेश में अपनी सीटों की संख्या में, 2018 के मुकाबले 54 की बढ़ोतरी कर, 163 सीटें हासिल कर ली हैं और छत्तीसगढ़ में अपनी सीटों में 39 की बढ़ोतरी कर, कुल 54 सीटों पर कब्जा कर लिया है। राजस्थान में भी, बहुत अप्रत्याशित नहीं होते हुए भी, उसने अपनी सीटों में 42 की बढ़ोतरी कर, कुल 115 सीटों पर जीत दर्ज कराई है, जिसे प्रभावशाली बहुमत तो जरूर कहा जाएगा।

लेकिन, इतना ही नहीं है। मध्य प्रदेश में भाजपा ने अपने मत फीसद में 7.5 फीसद की बढ़ोतरी के साथ, कुल 48.6 फीसद वोट हासिल किए हैं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में उसने 13.3 फीसद की बढ़ोतरी के साथ, 46.3 फीसद वोट हासिल किए हैं। यहां तक कि राजस्थान में भी उसने 2.9 फीसद की बढ़ोतरी के साथ कुल 41.7 फीसद वोट हासिल किए हैं। छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश में मत फीसद में भारी बढ़ोतरी और राजस्थान में भी कुछ बढ़ोतरी का, 2024 के चुनाव के लिए एक स्पष्ट संकेत है जो किसी को भी नहीं भूलना चाहिए। भाजपा हिंदीभाषी क्षेत्र में अब भी अपना वोट बढ़ा पा रही है। और मोटे तौर पर उसका वोट 45 फीसद से करीब तक पहुंच गया है।

दूसरी ओर, इस चुनाव में आमतौर पर विपक्ष के और खासतौर पर कांग्रेस के हाथों से दो राज्यों—राजस्थान और छत्तीसगढ़—की सत्ता चली गई है। यह धक्का इसलिए और भी बड़ा है कि इसके बाद कांग्रेस के पास बिहार में महागठबंधन सरकार में हिस्सेदारी के अलावा, हिंदीभाषी क्षेत्र में सिर्फ हिमाचल की सरकार रह गई है। इसी प्रकार, मध्य प्रदेश में कांग्रेस पिछले चुनाव के मुकाबले 48 सीटें गंवाकर मात्र 66 सीटों पर आ गई है, जबकि छत्तीसगढ़ में 33 सीटें गंवाकर 35 पर और राजस्थान में 31 सीटें गंवाकर, 70 पर ही सिमट गई है। धक्का बेशक बड़ा है। इसके बावजूद, यह नहीं भूलना चाहिए कि चुनाव नतीजों से आम तौर पर जल्दी में जो नतीजा निकाल लिया गया है और धारणा बना ली गई है उसके विपरीत, 2018 के चुनाव के मुकाबले जब इन तीनों ही राज्यों में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी, इस चुनाव में भी कांग्रेस ने अपना वोट कमोबेश बनाए ही रखा है। मध्य प्रदेश की जबर्दस्त हार के बावजूद, कांग्रेस के वोट में सिर्फ 0.5 फीसद की कमी हुई है और उसने 40.4 फीसद वोट हासिल किए हैं, जबकि राजस्थान में उसके वोट में 0.1 फीसद की मामूली बढ़ोतरी ही हुई और उसकी झोली में 39.7 फीसद वोट आए हैं। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस के वोट में 0.8 फीसद की कमी हुई है और उसके हिस्से में 42.2 फीसद वोट आए हैं।

कहने की जरूरत नहीं है कि इन तीनों राज्यों में भाजपा के वोट में जो भी बढ़ोतरी हुई है (जो मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में भारी बढ़ोतरी कही जाएगी) और उसकी सीटों में उससे भी बढ़कर जो बढ़ोतरी हुई है, उसके पीछे 'अन्य' राजनीतिक खिलाड़ियों के निचोड़े जाने की ही कहानी है। मध्य प्रदेश में अन्य के खाते में, जिसमें बसपा, सपा तथा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी शामिल हैं, वोट पूरे 7 फीसद घटकर 11 फीसद पर आ गया और सीटें 6 की कमी के साथ सिर्फ 1 पर आ गईं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में इस श्रेणी का मत फीसद पूरे 12.5 फीसद की गिरावट के साथ 11.5 फीसद पर ही आ गया और सीटों का आंकड़ा 6 की कमी के साथ सिर्फ 1 पर। इसमें सपा, बसपा, गोंगपा आदि के अलावा अजीत जोगी की पार्टी भी शामिल थी। राजस्थान में ही अन्य के वोट में 3 फीसद की अपेक्षाकृत थोड़ी कमी ही आई है, हालांकि इस श्रेणी में शामिल पार्टियों की सीटों की संख्या पूरे 12 की कमी के साथ, 14 पर आ गई है। इस तरह, मोटे तौर पर अन्य की श्रेणी में आने वाली राजनीतिक ताकतों की कीमत पर ही भाजपा ने इस चुनाव में अपनी प्रभावशाली जीत दर्ज कराई है।

इन चुनावों में भाजपा की जीत और कांग्रेस व विपक्ष की हार की गंभीरता को कम नहीं करते हुए भी, इन नतीजों से एक बात आसानी से समझी जा सकती है। इन राज्यों के नतीजों के संदर्भ से, 2024 के आम चुनाव के नतीजे की गारंटी कोई नहीं कर सकता है। बेशक, इस चुनाव में भाजपा का पलड़ा भारी रहा है और पर्याप्त भारी रहा है, लेकिन यह भी सच है कि तीनों राज्यों में उसके सामने मुकाबले के लिए एक अच्छी-खासी ताकत थी। और यह ताकत, जो 2018 से 2023 के बीच के पांच सालों में लगभग जस की तस बनी रही है, अगले चुनाव तक भी आसानी से इधर-उधर होने नहीं जा रही है। इतना ही बड़ा सच यह भी है कि भाजपा का वोट 45 फीसद के करीब तक पहुंचने के बावजूद, अब भी वोट का स्पष्ट बहुमत उसकी पकड़ से बाहर है। और महत्वपूर्ण बात यह है कि एक मजबूत कोर भी मौजूद है, जिसके गिर्द यह गैर-भाजपा वोट जमा हो सकता है। और अगर यह वोट एक जगह जमा हो जाए, तो हिंदीपट्टी में भी भाजपा को पछाड़ा जा सकता है। शेष भारत को मिलाकर उसे पछाड़ना तो और भी आसान होना चाहिए क्योंकि तेलंगाना के हाल के नतीजों से साफ है कि दक्षिण और पूर्व (उत्तर-पूर्व से भिन्न) पूरी तरह से पहले ही उसके दबदबे से बाहर हैं।

यहीं इंडिया मंच महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन, उसे इन चुनावों से कुछ जरूरी सबक सीखने होंगे। सबसे जरूरी सबक तो यही है कि भाजपाविरोधी ताकतों की एकजुटता किसी भी कीमत पर कायम होनी ही चाहिए। इन विधानसभाई चुनावों से नकारात्मक सबक लेने ही होंगे। बेशक, यह कसरत भी दिलचस्प हो सकती है कि इंडिया के संभावित सहयोगियों के वोट का एक साथ पड़ना, इस चुनाव में भी भाजपा को कितनी सीटें भेंट करने से बचा सकता था। ऐसी सीटों की संख्या अच्छी-खासी होगी। उम्मीद है कि इन चुनावों की पृष्ठभूमि में होने वाली इंडिया की पहली बैठक से ही, गठबंधन की सिलवटों को दूर करने के लिए गंभीरता से काम शुरू होगा। यही नहीं, इंडिया के साथ खड़ी ताकतों के दायरे को अधिकतम फैलाने के और नागरिक-सामाजिक संगठनों तथा ऐसी ही तमाम ताकतों को साथ लाने के सक्रिय प्रयास करने होंगे। दूसरा महत्वपूर्ण सबक यह होना चाहिए कि विपक्ष का नैरेटिव पूरी तरह से बेअसर तो नहीं है, पर उसे जनता की जिंदगी के वास्तविक मुद्दों से जोड़कर और धारदार और असरदार बनाए जाने की जरूरत है, जिससे मोदी राज की वैधता को चुनौती दी जा सके और उसे जनता के सामने बेनकाब किया जा सके।

आम चुनाव तक के चार-पांच महीने का समय इस सबके लिए बहुत थोड़ा भी नहीं है। अपनी मुंबई बैठक के फौरन बाद इंडिया गठबंधन जिस तरह से गति पकड़ रहा था, उस गति को दोबारा लाया जा सकता है, लाना ही होगा। विधानसभा चुनाव के इस चक्र का सबक यह भी है कि 2024 के चुनाव में, मोदी मैजिक के वास्तविक मुकाबले की स्थितियां बनाना इतना मुश्किल भी नहीं है। जीत की ये हैट्रिक अपनी जगह, 2024 में मोदी के आने की कोई गारंटी नहीं है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

> **यहीं इंडिया मंच महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन, उसे इन चुनावों से कुछ जरूरी सबक सीखने होंगे। सबसे जरूरी सबक तो यही है कि भाजपाविरोधी ताकतों की एकजुटता किसी भी कीमत पर कायम होनी ही चाहिए। इन विधानसभाई चुनावों से नकारात्मक सबक लेने ही होंगे। बेशक, यह कसरत भी दिलचस्प हो सकती है कि इंडिया के संभावित सहयोगियों के वोट का एक साथ पड़ना, इस चुनाव में भी भाजपा को कितनी सीटें भेंट करने से बचा सकता था।**

भारतीय अर्थव्यवस्था विकास के पथ पर लेकिन नयी नौकरियां पैदा करने में असफल

■ के आर सुधामन

आजकल अर्थव्यवस्था पर एक घिसा-पिटा बयान दिया जाता है- भारत की अर्थव्यवस्था काफी अच्छी स्थिति में है जबकि कई अन्य देश लड़खड़ा रहे हैं, और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है और भू-राजनीति स्थिति को बदतर बना रही है। यह सच है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अब सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निराशाजनक दुनिया, खासकर यूरोप, मध्य-पूर्व और चीन के तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रही है।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु का कहना है कि इसमें संदेह करने की कोई बात नहीं है और भारत अब उचित रूप से एक उज्ज्वल स्थान पर है। इसका मतलब यह है कि अर्थव्यवस्था के अच्छा प्रदर्शन करने और तथाकथित जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने की संभावना है। इसलिए सवाल यह है कि क्या नीति निर्माता इस लाभ को भुनाने के लिए पर्याप्त प्रयास कर रहे हैं। उत्तर निश्चित रूप से नहीं में है। वृहत-आर्थिक बुनियादी सिद्धांतों के साथ कुछ मुद्दे हैं। इसके अलावा पर्याप्त नौकरियां पैदा नहीं हो रही हैं, खासकर युवाओं के बीच।

बसु भारतीय अर्थव्यवस्था में एक अंतर्निहित कमजोरी की ओर इशारा करते हैं और बताते हैं कि हाल के वर्षों में बचत और निवेश दरों में लगातार गिरावट आई है। बसु का मानना है कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाले यूपीए शासन के दौरान बचत और निवेश दरें सकल घरेलू उत्पाद के 38 से 39 प्रतिशत तक पहुंच गईं। इससे भारत को इस शताब्दी के पहले दशक में स्थिर मूल्य आधार वर्ष पर लगभग 9 प्रतिशत की उच्च विकास दर प्राप्त हुई। विशेष रूप से घरेलू बचत की उच्च बचत दर ने यह सुनिश्चित किया कि निवेश भी तदनुसार अधिक था जिसके परिणामस्वरूप कम वृद्धिशील पूंजी उत्पादन अनुपात हुआ।

दुर्भाग्य से, बचत और निवेश दरें दोनों विशेष रूप से मोदी युग के दौरान गिर रही हैं और कोविड के वर्षों के दौरान 28 या 29 प्रतिशत के निचले स्तर तक गिर गई थीं। लेकिन अब अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के साथ थोड़ी तेजी आ रही है, जो स्वागत योग्य है। हालांकि, बसु बताते हैं कि यह अब 30 प्रतिशत के आसपास मंडरा रहा है, इसलिए निवेश दर की भी ऐसी ही स्थिति है, जो अर्थव्यवस्था के लिए पर्याप्त नहीं है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि देश में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा हो, विशेष रूप से श्रम प्रधान उद्योगों में भारी निवेश की आवश्यकता है। लेकिन किसी तरह ऐसा नहीं हो रहा है। तथाकथित स्व-रोजगार के माध्यम से अल्प-रोज़गार भी बढ़ रही है। 35 साल से कम उम्र की आबादी के बड़े अनुपात वाले भारत के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। सीएमआईई डेटा से संकेत मिलता है कि बेरोजगारी, जो 5-6 प्रतिशत तक कम हो गई थी, अब फिर से बढ़ रही है। नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि यह अब 10 प्रतिशत के आसपास है।

कौशिक बसु के अनुसार, अधिक चिंताजनक बात यह है कि 15-22 वर्ष के आयु वर्ग में बेरोजगारी 22 प्रतिशत तक है। मध्य-पूर्व में 15-22 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी की संख्या भी इतनी अधिक थी। इससे तुरंत खतरे की घंटी बजनी चाहिए। जैसा कि कहा जाता है कि निष्क्रिय दिमाग शैतान का घर होता है। दुनिया भर के सशस्त्र बलों में, सैनिकों को कभी भी निष्क्रिय रहने की अनुमति नहीं दी जाती है और उन्हें हमेशा सुबह उठने के समय से ही कुछ न कुछ काम प्रदान किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अनुशासित रहें।

जब युवा व्यस्त नहीं होते हैं तो विघटनकारी प्रवृत्तियां उत्पन्न होती हैं। इस संदर्भ में अर्थव्यवस्था और समाज के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए रोजगार सृजन पर जोर देना बहुत महत्वपूर्ण है। रोजगार बढ़ाने के लिए बुनियादी ढांचे में वित्त पोषण बढ़ाना महत्वपूर्ण है और सरकार साल दर साल सार्वजनिक व्यय बढ़ाकर अपना काम कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के बजट में सार्वजनिक व्यय को 2022-23 के 7.5 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक कर दिया है। यह एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है। निजी निवेश भी बढ़ रहा है। लेकिन चमड़ा, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण आदि जैसे श्रम प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। साथ ही इन उद्योगों को पूरे देश में, विशेषकर छोटे कस्बों और शहरों में फैलाना होगा, ताकि ग्रामीण संकट को दूर किया जा सके। इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण को बढ़ावा देना एक स्वागत योग्य कदम है क्योंकि इससे नौकरियां पैदा होती हैं, लेकिन ये उद्योग आमतौर पर बड़े शहरों और उसके आसपास स्थापित होते हैं क्योंकि इसके लिए कुशल और उच्च कुशल जनशक्ति की आवश्यकता होती है। ग्रामीण संकट से निपटने के लिए कौशल विकास को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। स्किल मैपिंग से क्षेत्र विशेष के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। इन पर कार्य प्रगति पर है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार हो रहा है। उन्नत देशों द्वारा चीन प्लस वन नीति अपनाने से विदेशी निवेश प्रवाह में भारत की ओर झुकाव हो रहा है। लेकिन विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरें बढ़ने के साथ, उभरती अर्थव्यवस्थाओं से बहिर्वाह की संभावना है। हालांकि यह कुछ उभरती अर्थव्यवस्थाओं में हो रहा है। भारत से बहिर्वाह इस समय उतना महत्वपूर्ण नहीं है क्योंकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के कई उद्योगपति भारतीय अर्थव्यवस्था को एक अवसर के रूप में देखते हैं। लेकिन अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के साथ, यह प्रवृत्ति कुछ ही समय में उलट हो सकती है। इसलिए इससे बचाव की जरूरत है।

एक कदम जिसे देश में तत्काल उठाये जाने की जरूरत है, वह है बचत और निवेश दरों को वापस सकल घरेलू उत्पाद का 38 से 39 प्रतिशत तक बढ़ाना। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समावेशी विकास के माध्यम से बेरोजगारी की समस्या से निपटने के अलावा वृहद-आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहेगी। भारत में हमेशा 5 से 6 प्रतिशत बेरोजगारी दर रही है और यह एक प्रबंधनीय स्तर है। ध्यान देने वाली बात यह है कि युवाओं में बेरोजगारी, वह भी लगभग 20-22 प्रतिशत, परेशान करने वाली हो सकती है। सरकार को इस समस्या के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है ताकि भारत एक जीवंत अर्थव्यवस्था बना रहे।

> **एक कदम जिसे देश में तत्काल उठाये जाने की जरूरत है, वह है बचत और निवेश दरों को वापस सकल घरेलू उत्पाद का 38 से 39 प्रतिशत तक बढ़ाना। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समावेशी विकास के माध्यम से बेरोजगारी की समस्या से निपटने के अलावा वृहद-आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहेगी। भारत में हमेशा 5 से 6 प्रतिशत बेरोजगारी दर रही है और यह एक प्रबंधनीय स्तर है।**

पावन प्रसंग

पदार्थ से चेतना की ओर

विज्ञान ब्रह्मांड के मूल तत्व को गॉड पार्टिकल कहकर पुकारता है। दस अरब डॉलर खर्च करके 6 वैज्ञानिकों ने दिन-रात की मेहनत के बाद .यह दावा किया है कि सृष्टि की रचना में जिस जादुई कण ने बीज की बदौलत दुनिया है। आखिर हिग्स बोसोन है क्या? यह वही कण हैं जो प्रोटीन, इलेक्ट्रॉन और न्यूट्रॉन को दुनिया बनाने की ताकत देता है। माना जाता है कि इस कण के बिना इस सृष्टि में किसी चीज का अस्तित्व ही नहीं हो सकता है। यह वह कण है, जो हर चीज में भार प्रदान करता है और खुद लुप्त हो जाता है, जो किसी चीज को अपने अंदर रख सकती है, अगर कुछ नहीं होगा तो फिर किसी चीज का अस्तित्व नहीं होगा; क्योंकि परमाणु उसके भीतर घूमते रहेंगे, लेकिन भार के बिना जुड़ेंगे ही नहीं। हिंग्स बोसोन उस अदृश्य शक्ति का मूर्तरूप है, जो स्पेस में हर वस्तु को भार देता है। इसके बगैर न तो किसी परमाणु का अस्तित्व है और न ही जिंदगी के बारे में सोचा जा सकता है।

विज्ञान की दुनिया में गॉड पार्टिकल की परिकल्पना सबसे पहले सन् 1964 में ब्रिटिश वैज्ञानिक पीटर हिग्स ने की थी, हिग्स बोसोन कण के नाम में 'हिग्स' पीटर हिग्स से लिया गया है; जबकि 'बोसोन' भारतीय वैज्ञानिक सत्येंद्र नाथ बोस के नाम से रखा गया है। सत्येंद्र नाथ बोस ने 20वीं शताब्दी के तीसरे दशक में महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के साथ मिलकर बोस-आइंस्टीन स्टेटिस्टिक्स और बोस-आइंस्टीन कंडेन्सेट की थ्योरी दी थी। क्वांटम फिजिक्स के क्षेत्र में बोस के उम्दा काम के सम्मान में ईश्वर कण का नाम 'हिग्स बोसोन' रखा गया है।

हमारी आध्यात्मिक परम्परा का केंद्रीय विचार हीहै कि कण-कण में ईश्वर का निवास है, इसीलिए हम सब में संभावनाओं का वास है, हम सबमें असीम ऊर्जा का संचालन है, हम सभी एक ईश्वर का हिस्सा हैं और हम सबमें दुनिया की सारी विविधता और सारी समानता एक साथ बसती है। यह अध्यात्म, विज्ञान से इतर नहीं है, बल्कि उसका विस्तार ही वह वजह है कि जहां विज्ञान की सीमा खतम होती है- अध्यात्म की सीमा वहीं से शुरू हो जाती है। हर महान आत्मा, कालजयी कार्य के पीछे एक चमत्कार होता है जिसकी परिकल्पना विज्ञान में नहीं है, लेकिन अध्यात्म में उसे आत्मसात करने की क्षमता है। अल्बर्ट आइंस्टीन और मैडम क्यूरी जैसे महान वैज्ञानिकों को भी अध्यात्म का ज्ञान था, उसकी अनुभूति थी। हिग्स बोसोन की खोज में हमें बताया है कि अध्यात्म का मूल विचार कण-कण में भगवान की उपस्थिति का वैज्ञानिक आधार है। गॉड पार्टिकल वही कण है, जो सृष्टि के मूल में है। इस खोज के बाद विज्ञान ने एक नई विधा की खोज की है, जिससे उसे नए आयामों को समझने में मदद मिलेगी। इस खोज के बाद विज्ञान को चमत्कार को समझने की समझ मिलेगी।

दरअसल विज्ञान और अध्यात्म में विरोधाभास नहीं है, ये दोनों वस्तुत: एक सिक्के के ही दो पहलू हैं। विज्ञान से हमें तार्किकता मिलती है तो अध्यात्म मानवीय भावनाओं से साक्षात्कार कराता है। विज्ञान हमें मशीन बनाना सिखाता है तो अध्यात्म हमें उस मशीन को भलाई के लिए इस्तेमाल करना सिखाता है। विज्ञान हमें मैं बनाता है तो अध्यात्म इस मैं को हम का हिस्सा बनाना सिखाता है।

विज्ञान स्वार्थ है तो अध्यात्म परमार्थ है। इसीलिए हमें ऐसा विज्ञान चाहिए, जिस पर अध्यात्म की परत चढ़ी हो। हमें बिजली चाहिए, हमें सुंदर मकान चाहिए, बड़ी-बड़ी गाड़ियां चाहिए, विलासिता के सारे सामान चाहिए। विज्ञान ने हमारे लिए यह सब संभव बनाया है। हर बड़ी खोज एक महान उत्पाद को जन्म देती है, जो हमारी जिंदगी पर असर डालती है। यह सब विज्ञान की ही देन है, लेकिन इन सबके लिए हमें एक कीमत चुकानी पड़ती है। किसी बड़ी फैक्ट्री का परिणाम भोपाल हादसे के रूप में होता है तो किसी कालजयी परमाणु शक्ति बनने की तमन्ना के बायप्रोडक्ट में चेरनोबिल हादसे से रूबरू भी होना पड़ता है।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

मानवीय शक्ति और प्राकृतिक संसाधन, विकास और प्रगति के पहिये सार्थक समुचित उपयोग की दरकार

जब भी हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानि कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग-धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जीती बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है। उद्योगों की चिमनियों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कलकल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कम्प्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे-मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा-भरा हिंदुस्तान यानि कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी न मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने, महानगर बने, मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत! हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन, पानी, हरियाली, पक्षी, जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कांक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए। महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव के लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा, सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची-ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक-युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानि कि इतनी डिजिटल विषमताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव, जंगलों, नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत की हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ, साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम, थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टियां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है,

जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना,
पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे।

विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

संजीव ठाकुर

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

8 छात्र-छात्राएं राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में खेलने उमरिया रवाना

सरोंज, देशबन्धु। राज्य स्तरीय शालेय अंडर-19 हॉकी प्रतियोगिता 5 से 9 दिसंबर तक उमरिया मैं आयोजित हो रही है जिसमें भाग लेने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा कुमारी नंदनी त्यागी, राधिका सेन, शिवानी, मुस्कान और सीएम राइज स्कूल के छात्र जैब खान, रविंद्र कुशवाहा, गौरव प्रभाकर एवं ईशान अली शाह का चयन किया गया है। आज सुबह यह सभी प्रतियोगिता में भाग लेने सिरोंज से रवाना हुए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी उमेश कुमार सोनी, स्कूल के प्राचार्य महेश कुमार ताम्रकार, सोनू श्रीवास्तव खेल शिक्षक शान मियां,जमशेद खान, केशव शर्मा, प्रगति केवट, दीक्षा शर्मा एवं संस्था के समक्ष स्टाफ और नगर के खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

प्रसाद, बोस की जयंती और ध्यानचंद की पुण्यतिथि मनाई

गंज बासौदा, देशबन्धु। नारायण सदाशिव पिंगल सेवा संस्थान द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता डीपी श्रीवास्तव के मुख्य अतिथि में एवं अधिवक्ता सुभाष ताम्रकार, राजकुमार बजाज, राजेश सक्सेना, संजीव शर्मा विजय अरोड़ा एवं दिव्यांग लख्खू यादव की उपस्थिति में डॉ.राजेंद्र प्रसाद , खुदीराम बोस की जयंती और मेजर ध्यानचंद की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम में अधिवक्ता राजेश सक्सेना ने सभी लोगों का तिलक लगाकर एवं पुष्प हार पहनाकर सभी को सम्मानित किया। वरिष्ठ समाज से भी सुनील बाबू पिंगल ने राजेंद्र प्रसाद, खुदीराम बोस, मेजर ध्यानचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें देश का महान सपूत निरूपित किया। वरिष्ठ अधिवक्ता डीपी श्रीवास्तव ने समिति द्वारा आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि देश के महान व्यक्तियों से हमें प्रेरणा लेकर उनके सिद्धांतों को अपने आचरण में उतरना होगा। कार्यक्रम को अधिवक्ता सुभाष ताम्रकार राजकुमार बजाज एवं पंडित संजीव शर्मा दिव्यांग, यादव एवं विजय अरोड़ा ने भी संबोधित किया। इस दौरान पर बबलू वैभव सक्सैना, पारस राठौड़ सहित अन्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दी बधाई

रायसेन, देशबन्धु। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अरविंद दुबे ने विधानसभा चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था में लगे पुलिस बल, एसएएफ एवं सशस्त्र सुरक्षा बल को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक एवं शांतिपूर्वक संपन्न कराने में निर्वाचन अमले ने अपने दायित्वों का पूरी गंभीरतापूर्वक निर्वहन किया है।

योजनाओं से प्रभावित होकर जनता ने भाजपा को जीत दिलाई: प्रभुराम

जिला भाजपा कार्यालय में मना जीत का जश्न, डॉ. चौधरी का किया जोरदार स्वागत

रायसेन, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में सांची विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक डॉक्टर प्रभुराम चौधरी की जीत की खुशी में नगर भाजपा मंडल द्वारा जिला भाजपा कार्यालय के सभागार में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला भाजपा कार्यालय के सामने जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं नगर मंडल अध्यक्ष जीतू आदित्य शर्मा के नेतृत्व में जीत की खुशी में ढोल नगाड़े के साथ जोरदार आतिशबाजी चलाकर जश्न मनाया गया वहीं नवनिर्वाचित भाजपा विधायक डॉ.चौधरी की अगवानी करते हुए सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि सांची विधानसभा क्षेत्र में मुझे जो ऐतिहासिक विजय दिलाई इसका श्रेय केन्द्र, प्रदेश, जिला भाजपा नेतृत्व और मेरे क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं को जाता है जिन्होंने रात दिन एक कर कठिन मेहनत कर मुझे 45 हजार मतों से विजयश्री दिलाई। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से आपने सांची क्षेत्र से मुझे ऐतिहासिक जीत दिलाई है उसी प्रकार से मैं अपने संकल्प को दोहराते हुए कि संपूर्ण मध्य प्रदेश में सांची विधानसभा क्षेत्र को विकसित क्षेत्र बनाया जाएगा। विकास के कार्यों में कोई कमी नहीं रखी जाएगी आपकी ओर से क्षेत्र की जनता की भावना के अनुरूप क्षेत्र की सेवा करूंगा और ज्यादा से ज्यादा विकास क्षेत्र में हो इसके लिए जी तोड़ प्रयास करूंगा। डॉक्टर चौधरी ने कहा कि हमारी केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश की सरकार की जनहित कार्य योजनाओं के कारण हमें इतनी बड़ी सफलता पूरे प्रदेश भर में मिली है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उनकी कार्यशैली और कार्य योजनाओं की वजह से भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला है। लाड़ली बहना योजना, किसान सम्मान निधि योजना, गरीब कल्याण के लिए आवास योजना, सर्वांगीण विकास जैसी महत्वपूर्ण कार्य योजनाओं से प्रभावित होकर क्षेत्र की जनता ने प्रचंड बहुमत से विजयश्री दिलाई है। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा ने कहा कि जिले में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई है जिसके लिए हमारे देश के प्रधानमंत्री मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री चौहान द्वारा चलाई गई कार्य योजनाओं से लाभान्वित होकर जनता ने भाजपा के प्रत्याशियों को विजयश्री दिलाने में अभूतपूर्व योगदान दिया है। उन्होंने सांची, उदयपुरा एवं भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को भारी बहुमत से विजयश्री दिलाने पर पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए दिए गए योगदान के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा प्रचंड बहुमत सांची विधानसभा क्षेत्र की जनता ने दिया है इसके अलावा दूसरे नंबर पर उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र की जनता ने और तीसरे नंबर पर भोजपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता ने हमारे प्रत्याशियों को भारी बहुमत के साथ जीतकर विधानसभा में पहुंचाया है, वास्तव में जिले में पार्टी की ऐतिहासिक जीत दर्ज हुई है। कार्यक्रम में मौजूद वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह कुशवाह ने भी विचार व्यक्त करते हुए भाजपा के मौजूद सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत के लिए उन्हें बधाई देते हुए धन्यवाद दिया वही कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन धीरेंद्र सिंह कुशवाह ने किया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता राकेश तोमर ने किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह वर्मा, मलखान सिंह मीणा, जमना प्रसाद सेन, कन्हैया लाल सूरमा, बृजेश चतुर्वेदी, नगर अध्यक्ष जीतू आदित्य शर्मा, लीला किशन मीणा, श्री बघेल, राजेंद्र सिंह राठौर, ओपी सोनी, राजेश पंथी, चंदू रघुवंशी, देवेंद्र यादव, अखिलेश सोनी, दीपक पंड्या, सहित भाजपा के सैकड़ो पदाधिकारी एवं ऊर्जावान कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री की जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने की आतिशबाजी, बांटी मिठाई

भेरून्दा, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की ऐतिहासिक जीत पर नगर में जमकर जश्न मनाया और आतिशबाजी कर मिठाई बांटी। मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र में इस बार के चुनाव में एक लाख पार का नारा दिया था वही जनता ने कर दिखाया। उन्होंने 104974 मतों से ऐतिहासिक जीत दर्ज कराई। शिवराज सिंह चौहान छह बार विधायक एवं पांच बार सांसद रह चुके है लेकिन इतने अधिक मतों से पहली जीत मिली। इस जीत का सबसे ज्यादा श्रेय महिलाओं का रहा। पहले महिलाएं मतदान के लिए निकलती नहीं थी लेकिन इस बार लाड़ली बहना योजना मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के लिए संजीवनी साबित हुई।

भाजपा के निर्वाचित विधायक रघुवंशी ने नौलखी मंदिर में की पूजा, निकाला विजयी जुलूस

गंजबासौदा, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत पर सोमवार को नगर में विजय जलूस निकाला गया। जिसमें भाजपा को मिले अपार जनसमर्थन के लिए भाजपा के निर्वाचित विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने सभी जनमानस का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। विजय जलूस के लिए हरिसिंह रघुवंशी प्रात: करीब 11 बजे नौलखी मंदिर पहुंचे जहां विधिविधान से पूजन कर कैलाश वासी गुरु महाराज जगन्नाथ दास महाराज का आशीर्वाद लिया। संतों के दर्शन के उपरांत रघुवंशी रेलवे स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे जहां पहले से ही हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय जनता उपस्थित थी। जुलूस में जगह जगह रघुवंशी का भव्य स्वागत हुआ। कार्यकर्ताओं ने अपने नए विधायक का स्वागत मिष्ठान वितरण किया गया। जलूस का प्रारंभ रेल्वे स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर से हुआ। जलूस में ढोल, डीजे, दुलदुल घोड़ी के साथ श्रीराम के जयकारों व भजन के लिए गायिका भी मौजूद रही। जगह जगह आतिशबाजी की गई। विधायक हरिसिंह रघुवंशी को कहीं फल से तो कहीं लड्डू से तौला गया। सुबह करीब 12 बजे से प्रारंभ हुआ जुलूस देर शाम तक जारी रहा। जलूस में रघुवंशी के साथ पार्टी के युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, नगर मंडल, ग्रामीण मंडल सहित हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व आमजन मानस उपस्थित था।

जौरा विधानसभा सीट से विजयी कांग्रेस के उपाध्याय का जगह-जगह स्वागत

जौरा, देशबन्धु। जौरा विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी पंकज उपाध्याय 30281 मतों से जीते तथा जीतने के बाद जब जौरा पहुंचे तो जगह-जगह उनके समर्थकों ने आत्मीयता के साथ फूलमालाओं एवं पटाखे चलाकर स्वागत किया। वे महात्मा गांधी सेवा आश्रम में स्वर्गीय सुब्बाराव की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के पश्चात जब एमएस रोड पर पहुंचे तो उनके समर्थकों ने नवनिर्वाचित विधायक पंकज उपाध्याय को फूल मालाओं से लाद दिया। वरिष्ठ कांग्रेसी रविंद्र सिंह सिकरौदा के निवास पर उपाध्याय का आत्मीयता के साथ स्वागत किया गया। इसी क्रम में चंद्रशेखर आजाद रोड पर पूर्व पार्षद जेपी पाराशर एवं श्रीमती दिनेश पाराशर के निवास पर शॉल श्रीफल मालाओं से पंकज उपाध्याय का स्वागत किया गया। वहीं चुनाव में पंकज की अभिकर्ता अशोक गर्ग के निवास पर भी सैकड़ो की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने विधायक पंकज को फूल मालाओं से लाद दिया। पूर्व विधायक के निवास पर जब पंकज उपाध्याय पहुंचे तो वहां भी उनका भव्य स्वागत किया गया। इसी क्रम में श्री राम मॉल में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बृजमोहन बंसल के निवास पर जब विधायक पंकज उपाध्याय पहुंचे तो वहां भी उनका भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद पगारा रोड पर युवा समाज सेवी नेता श्री गुर्जर के निवास पर भी सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने विधायक पंकज उपाध्याय का स्वागत किया। श्री उपाध्याय के स्वागत का कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा।

युवती से सामूहिक बलात्कार के आरोपी गिरफ्तार

मुरैना, देशबन्धु। लगभग डेढ़ माह पूर्व एक युवती से सामूहिक बलात्कार करने वाले दो आरोपियों को नगरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ के पक्ष न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

सोमवार की सुबह थाना प्रभारी नगरा अविनाश सिंह राठौड को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम कीचोल थाना नगरा के दो फरार आरोपी जिन पर सामूहिक बलात्कार करने का आरोप है, अपने घर ग्राम कीलोच में आये है। उक्त सूचना पर कार्यवाही करते हुये पुलिस टीम ने ग्राम कीचोल से दोनों आरोपीगणों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद न्यायालय अम्बाह में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। विदित हो कि 16 अक्टूबर 23 को ग्राम कीचौल निवासी पीड़ित महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 11 अक्टूबर 23 को वह घर में अकेली थी तथा उसके पडोस में रहने बाले उसके दूर के दो रिश्तेदारों द्वारा घर की छत से आकर उसके साथ बलात्कार किया तथा जान से मारने की धमकी दी है। उक्त सूचना पर से थाना नगरा पुलिस ने धारा 376, 376 (डी) 456 ताहि, इजाफा धारा 376 (2) (च), 450 ताहि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

मावई ने प्रदेश महामंत्री पद से दिया इस्तीफा

मुरैना, देशबन्धु। कांग्रेस के नेता एवं प्रदेश महामंत्री प्रबल प्रताप सिंह मावई ने सोमवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को पत्र भेज कर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और कहा है कि वह एक सक्रिय सदस्य के रूप में पार्टी में कार्य करते रहेंगे7 श्री मावई ने पत्र में कहा है कि कांग्रेस पार्टी की जीत की पूरी संभावना थी, लेकिन पार्टी को एक बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा है, उसकी समीक्षा कांग्रेस पार्टी को करनी चाहिए और वह नैतिकता के आधार पर अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष को भेज रहे हैं।

मदद करेंगे तो आपके सारे ग्रह अनुकूल हो जाएंगे: विगुण सागर

मुरैना, देशबन्धु। जैन संत विगुण सागर महाराज ने अम्बाह जैन धर्मशाला में आयोजित धर्म सभा में सोमवार को कहा कि अगर हम पेंसिल बनकर किसी के लिए सुख नहीं लिख सकते तो कम-से-कम रबर बनकर उनके दु:ख तो मिटा ही सकते हैं। घर में खाना बनाते समय एक मुट्ठी आटा अतिरिक्त भिगोएँ और सुबह पूजा करते समय 10 रुपए दूसरों की मदद के लिए गुल्लक में डालें। एक मुट्ठी आटे की रोटियाँ तो दुकान जाते समय गाय-कुत्तों को डाल दें और नगद राशि को इकट्ठा होने पर किसी बीमार या अपाहिज की मदद में लगा दें। ऐसा करने पर मात्र 9 महीने में आपके सारे ग्रह-गोचर अनुकूल हो जाएँगे।

धर्म सभा में जैन संत ने कहा कि रास्ते से गुजरते समय मंदिर आने पर आप प्रार्थना में हाथ जोड़ें और अगर कोई एंबुलेंस गुजरती नजर आए तो उसे देखकर उसके लिए ईश्वर से दुआ अवश्य करें। संभव है आपकी दुआ उसे नया जीवन दे दे। अगर आप किसी मजदूर से दिनभर मेहनत करवाते हैं तो उसका पसीना सूखे उससे पहले उसे उसका मेहनताना दे दीजिए। किसी के मेहनताने को दबाना हमारे आते हुए भाग्य के कदमों पर दो कील ठोकना है। विद्यालय भी ईश्वर के ही मंदिर हुआ करते हैं, पर विद्यालय बनाना हर किसी के बूते की बात नहीं होती। आप केवल किसी एक गरीब बच्चे की पढाई को गोद ले लीजिए, आपको विद्यालय बनाने जैसा पुण्य ही मिलेगा।

संत श्री ने कहा कि दूध का सार मलाई है, पर जीवन का सार दूसरों की भलाई है। हमें रोज छोटा-मोटा ही सही पर एक भलाई का काम जरुर करना चाहिए। बिल गेट्स और अजीम प्रेमजी जैसे अमीरों ने दुनिया की भलाई के लिए हजारों करोड रुपयों की चौरिटी की है। आप फूल-पांखुरी ही सही, चैरिटी के काम अवश्य करें। दुनिया में कुछ लोग खाकर राजी होते हैं, कुछ लोग खिलाकर। आप प्रभु से प्रार्थना कीजिए कि प्रभु सदा इतना समर्थ बनाए रखना कि मैं औरों को खिलाकर खुश होने का सौभाग्य प्राप्त करूँ।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

आज मण्डी में नीलामी कार्य बंद रहेगा

हरदा, देशबन्धु। मंगलवार को मण्डी परिसर में कृषि उपजों का नीलामी कार्य बंद रहेगा। सचिव कृषि उपज मण्डी हरदा संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि मंगलवार 5 दिसम्बर को भैरव अष्टमी होने के कारण मण्डी प्रांगण हरदा में कृषि उपजों का नीलामी कार्य नहीं होगा। उन्होने किसानों से अनुरोध किया है कि 5 दिसम्बर को मण्डी प्रांगण में अपनी उपज विक्रय के लिये नहीं लाएं।

सभी वाहनों में अगले 6 माह में हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट लगाने के आदेश

हरदा, देशबन्धु। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित आदेश में प्रदेश में पंजीकृत सभी वाहनों में हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट लगाये जाने की कार्रवाई 6 माह में अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गये है। उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित निर्णय के अनुक्रम में राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि 1 अप्रैल, 2019 के पश्चात बेचे गये सभी वाहनों में भारत सरकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अधिकृत एजेंसियां व डीलर द्वारा वाहनों में हाई सिक्यूरिटी नम्बर प्लेट लगाई जाए। पंजीकृत सभी वाहनों में हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट लगाए जाने की कार्रवाई सभी शासकीय एवं अशासकीय वाहनों में हाई सिक्यूरिटी नम्बर प्लेट अगले 6 माह में अनिवार्य रूप से की जाए।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा, जिले में कांग्रेस की विजय सच्चाई की जीत

हरदा, देशबन्धु। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ओम पटेल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए हरदा जिले कि दोनों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को विजय दिलाने के लिए क्षेत्र कि जनता का आभार व्यक्त किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओम पटेल ने कहा कि यह जीत सच्चाई की जीत है। उन्होने कहा इस चुनाव परिणाम मे यह तय कर दिया हैं कांग्रेस पार्टी हर सुख दुख मे हार्ड जिले के नागरिकों के साथ खड़ी रहेगी और जनहित के लिए सड़कों पर हमेशा आवाज उठाते रहेंगे । जिलाध्यक्ष ओम पटेल ने हरदा जिले की सभी माताओं बहनों, व्यापारी किसान मजदूर बंधुओं और सभी समाज के सामाजिक बंधुओं का हरदा जिले के दोनों विधानसभा सीटों पर डॉ रामकिशोर दोगने और अभिजीत शाह को विजय श्री दिलवाने हेतु मत रूपी आशीर्वाद देने के लिए आभार और धन्यवाद प्रकट किया है। साथ ही जिले के सभी वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारियों एवं समस्त कॉंग्रेसजनों को बधाइयाँ प्रेषित की ।

जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओं के परिश्रम की जीत: शुक्ला

बैतूल, देशबन्धु। जिले की पांचों विधानसभा सीटों पर भाजपा की ऐतिहासिक विजय पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने इस जीत को कार्यकर्ताओं की मेहनत और भाजपा पर भरोसा बताया है। शुक्ला ने कहा कि यह जीत जन-जन की है, यह जीत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जन कल्याणकारी योजनाओं की जीत है इन योजनाओं को हर जन हर घर तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत की जीत है। भाजपा ने मतदान केंद्र तक अपनी मजबूत टीम तैयार करके रखी थी इन कार्यकर्ताओं ने पूरे समय प्राण प्रण से इस चुनाव को धर्म युद्ध की तरह लड़ा और भाजपा का परचम पूरे जिले में लहरा रहा है। दो दशक बाद भी भाजपा पर जनता को भरोसा है भाजपा की जन कल्याणकारी योजना पर भरोसा है आज जनता के भविष्य और भरोसे की जीत हुई है। मेरा बूथ सबसे मजबूत, बूथ जीता तो चुनाव जीता के संकल्प को लेकर हर कार्यकर्ता चल रहा था हर कार्यकर्ता के संकल्प की विजय है भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के एजेंडे पर काम करती है। भाजपा की जीत हर भारतीय की जीत है, हर कार्यकर्ता की जीत है। इस एतिहासीक विजय के लिए सभी भाजपा कार्यकर्ता बधाई के पात्र है वहीं भाजपा पर निरंतर विश्वास रखने के लिए जनता जर्नादन का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते है।

मजबूत चुनाव संचालन ने भाजपा को दिलाई जीत

बैतूल, देशबन्धु। विधान सभा चुनाव की मतगणना होने के बाद मुलताई विधान सभा मे चन्द्र शेखर देशमुख को भारी जनसमर्थन के साथ विजय हासिल हुई है। क्षेत्र के मतदाताओं ने भाजपा प्रत्याशी चन्द्र शेखर देशमुख को अपना नेता चुन लिया। भाजपा को मिली इस जीत के पीछे क्षेत्र में चन्द्र शेखर देशमुख की लोकप्रियता के साथ साथ सफ़ल चुनाव संचालन को मुख्य कारण बताया जा रहा है। भाजपा ने मुलताई विधान सभा में भाजपा नेता राजू अनुराग पवार को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी थी। पवार ने अपनी राजनीतिक कार्यकुशलता का परिचय देते हुए विधान सभा के प्रत्येक बूथों पर कार्यकर्ताओं की मदद से भाजपा को अजेय बढ़त दिलवाते हुए भाजपा को विजय श्री दिलवाई। विधान सभा मे रहने वाले प्रत्येक समाज प्रमुखों के साथ लोगों से भी अपना जीवंत संपर्क बनाए रखा । पूरे चुंनाव भर पार्टी से मिले निर्देशों के अनुरूप काम कर अपनी निष्ठा का परिचय दिया। गौरतलब है कि पवार का मुलताई क्षेत्र और पवार समाज अन्य समाजों में खासा दखल है। जिसका फायदा भाजपा को मिला है।

ठंड से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की जाए: कलेक्टर

बैतूल, देशबन्धु। शीतकाल के चलते मौसम में आए बदलाव और गिरते तापमान के दृष्टिगत कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस ने सार्वजनिक क्षेत्रों में अलाव जलाने के निर्देश दिए है। कलेक्टर बैंस ने कहा कि मौसम परिवर्तन के कारण ठंड बढने् से आम जनमानस एवं आने-जाने वाले यात्रियों को ठंड से बचाने नगर के मुख्य चौराहों, रेलवे स्टेशन के बाहर एवं बस स्टैंड, अस्पतालों, सार्वजनिक स्थानों और रैनबसेरा में रूकने वाले लोगों के लिए शीघ्र अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वहीं पर्याप्त लकड़ी की व्यवस्था भी रखें। इसके अलावा उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को सतत मॉनिटरिंग किए जाने के भी निर्देश दिए है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में रात्रि में पारा लुढक्ने की वजह से ठंड में इजाफा हुआ है। बढ़ती ठंड को देखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की आवश्यकता भी महसूस की जा रही थी।

सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठंड, जनजीवन प्रभावित

छतरपुर, देशबन्धु। इन दिनों मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है। सर्दी दिनोदिन बेकाबू होती जा रही है। सोमवार को फिर से मौसम ने रंग बदल लिया। शीतलहर के साथ घना कोहरा छाया रहा है। कोहरा इतना ज्यादा था कि सुबह के समय कोहरे की बरसात होती रही। इससे जिससे तापमान में गिरावट होने के साथ ठंड में और अधिक इजाफा हो गया है। लगातार 7 दिनों से बादल, बारिश और कोहरे के कारण अब सर्दी दिनोदिन बेकाबू होती जा रही है। पूरे दिन मौसम पूरी तरह सर्द बना रहा।

तपस्या से हमारे कर्मों की निर्जरा होती है: बिंदु प्रभा

चातुर्मास के अंतिम व्याख्यान का आयोजन

बैतूल, देशबन्धु। आचार्य पार्श्वचंद म.सा. की सुशिष्या डॉ. बिंदु प्रभा म.सा ने अपने चातुर्मास की विदाई का अंतिम व्याख्यान विमल सुराणा के निवास पर दिया। म.सा. ने तपस्या पर फरमाया कि तपस्या से हमारे कर्मों की निर्जरा होती है, हमारे कषायों, पापों का क्षय होता है। तप से हमारा आत्म बल और तेज बढ़ता है, कई जन्मों के कर्म कटते हैं, हमारी गति सुधरती है, तप के साथ-साथ मौन व्रत भी धारण करें और नियमित सामायिक करें, मौन व्रत में जितने समय हम मौन रहते हैं, उतने समय मन स्थिर रहता है। गु व्याख्यान के बाद म.सा का राजस्थान की तरफ विहार हो गया। विहार में म.सा ने मनीष गोठी के वरद लॉन में अतुल गोठी के कैकन रेस्टोरेंट में तथा सचिव मुकेश गोठी के यहां मंगल मांगलिक फरमाया और म.सा. का विहार हो गया विहार में जैन समाज के श्रावक श्राविका उपस्थित थे। आज मंगलवार को म.सा. की स्थिरता चांदबेहड़ा में रहेगी तथा कल चिचोली पहुंचने के भाव रहेंगे। जयंतीलाल गोठी, विमल सुराणा, डॉ.सी वर्मा, गिरीश खंडेलवाल, अलकेश महाले, मुकेश सुराणा, मुकेश गोठी, श्रीमती शर्मिला पारख ने अपनी विहार सेवाएं दी। उक्त आशय की जानकारी सतीश पारख ने दी।

भागवत कथा श्रवण के साथ चिंतन भी है: नीलम

भैंसदेही, देशबन्धु। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का सत्संग अपने जीवन को सफल बनाने की सुंदर पावन कथा है जो पापियों के पाप को भी तारती है इसलिए भागवत की आरती में हम कहते हैं श्री भागवत भगवान की है आरती पापियों के पाप को भी तारती। श्रीमद् भागवत कथा मात्र श्रवण करने का विषय नहीं है बल्कि भागवत महापुराण का चिंतन करने से हमारा जीवन उज्जवल हो जाता है और हमें परमात्मा से साक्षात्कार हो जाता है। यह बात कार्तिक माह के समापन अवसर पर पुर्णा महा मेले के अवसर पर पूर्णा गौशाला तके आयोजित श्रीमद् भागवत कथा महापुराण में कथा व्यास नीलम वाजपेई ने कही। कथा के दौरान कथा वाचक नीलम बाजपेई द्वारा सरल सहज सुंदर शैली का प्रयोग करते हुए सुंदर दृष्टांतों का चित्रण करते हुए श्रीमद् भागवत कथा के अनेकों प्रसंग का संगीत में कथा का सुंदर वचन किया। जिसमें भागवत महात्म, समुद्र मंथन, गजेंद्र मोक्ष, कृष्ण जन्म, कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन, वामन अवतार जैसी अन्य प्रसंग सुनाए। ग्राम देवलवाड़ा में कथा 29 नवंबर से लेकर 5 दिसंबर तक जारी है। 5 दिसंबर को दोपहर 12 बजे पूर्णाहुति के साथ विशाल भंडारे की प्रसादी का आयोजन आयोजक मंडल द्वारा किया गया है। संगीत संयोजन क्षेत्र के प्रसिद्ध एंकर तबला वादक योगेश सोनी, मनीष इंसुलकर बैंजो, सूरज छोटू भजन सत्संग, शंकर भाऊ पाटणकर बड़गांव, फूलचंद सोलंकी काटोल द्वारा सुंदर तरीके से किया जा रहा है। ग्राम के समस्त गीद परिवार द्वारा व्यवस्था एवं केसर लोखंडे द्वारा मार्गदर्शन किया जा रहा है। ऑक्टोपैड पर अभय वाडेकर भी संगत प्रदान कर रहे हैं।

काम नहीं आया समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का दांव

दूसरों को हराने तक सीमित रही साइकिल और हाथी

✷ संजय सक्सेना

छतरपुर, देशबन्धु। *इस बार के विधानसभा चुनाव में हमेशा की तरह समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का दांव काम नहीं आया है। साइकिल और हाथी की रफ्तार केवल वोट काटकर दूसरे उम्मीदवारों को हराने तक सीमित रही है।*

यूपी की सीमा से सटे छतरपुर जिले में चुनाव के समय हमेशा उत्तर प्रदेश की सियासत में खास स्थान रखने वाली समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का दखल रहता है। जब जब यहां चुनाव होते हैं तो ये दौनों दल अपने उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारती हैं। ये अलग बात है कि कामयाबी ज्यादा नहीं मिल पाई है। समाजवादी पार्टी के स्थानीय उम्मीदवार की छवि के सहारे साइकिल तो जरूर एक दो बार चली भी, मगर बसपा का हाथी केवल वोट काटने तक सीमित रहा है। इस बार भी विधानसभा चुनाव में जिले की 4 सीटों पर सपा और सभी 6 सीटों पर बसपा ने अपने उम्मीदवारों को चुनाव लडाया। इनमें से अधिकांश की तो जमानत ही जब्त हो गई है। सही मायने में साइकिल और हाथी की रफ्तार दूसरों को हराने तक ही सीमित रही है।

इस बार के चुनाव परिणाम की रेस में जिले की 6 सीटों में से 4 पर साइकिल दौडी है। महाराजपुर सीट पर कांग्रेस के वोट काटकर कांग्रेस उम्मीदवार को हराने में सपा असरदार रही, पर कहीं से भी जीतने का कमाल नहीं कर सकी है। महाराजपुर सीट पर कांग्रेस से बगावत करके अजय दौलत तिवारी ने साइकिल की सवारी करके 11828 मत हासिल किये और चौथे स्थान पर आये। कांग्रेस के इस मत विभाजन का सीधा नुकसान कांग्रेस उम्मीदवार नीरज दीक्षित को हार के रूप में उठाना पडा है। इस सीट के अलावा बाकी सीटों पर साइकिल बेअसर रही है। चंदला में सपा उम्मीदवार पुष्पेंद्र अहिरवार 24977 मत पाकर तीसरे स्थान पर आये। राजनगर में ब्रजगोपाल पटेल 6353 मतों सहित चौथे स्थान पर आये, छतरपुर से बीपी चंसौरिया को केवल 894 मत मिल सके, इन सभी की जमानतें जब्त हो गई हैं।

अब बात करें बहुजन समाज पार्टी के चुनावी प्रदर्शन की। इस बार बसपा के हाथी की सवारी करने वालों में सबसे बडा नाम है डीलमणि सिंह का रहा है। वे कांग्रेस से बगावत करके छतरपुर सीट पर बसपा से चुनाव लडे। उन्होंने अपने असर से 14184 मत हासिल किये, जिसका नुकसान कांग्रेस उम्मीदवार आलोक चतुर्वेदी को पराजय के रूप में उठाना पडा है। राजनगर से भाजपा के बागी डा घासीराम पटेल हाथी की सवारी करके 32195 मतों पाकर तीसरे स्थान पर आये। महाराजपुर सीट से बसपा के महेश कुषवाहा को 19812 मत मिले, वे भी तीसरे नंबर पर आये। इनके अलावा चंदला से डीडी अहिरवार को 7124, बिजावर से महेन्द्र कुमार गुप्ता को 10443 और बडामलहरा से लखनराम को 1860 मतों से संतोष करना पडा है। इस तरह से साइकिल की तरह हाथी भी केवल वोट काटने तक ही सीमित रहा है।

पूर्व में तीन बार साइकिल रही करामाती

यदि कुछ पुराने चुनावों में समाजवादी के प्रदर्शन पर नजर डालें तो पता चलता है कि पूर्व में उम्मीदवारों की छवि के सहारे साइकिल कुछ करामाती जरूर रही है। 2003 के चुनाव में छतरपुर से विक्रम सिंह नाती राजा ने समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लडकर जीत हासिल की थी। इसी चुनाव में चंदला सीट से भाजपा के बागी विजय बहादुर सिंह बुंदेला ने भी सपा के टिकट पर विजय पाई थी।

2018 के चुनाव में बिजावर सीट से कांग्रेस के बागी राजेश शुक्ला ने साइकिल की सवारी की और 67623 वोट पाकर जीत गये। हालांकि बाद में वे सपा छोडकर भाजपा में चले गये। इस तरह से देखा जाये तो छतरपुर अंचल में सपा का असर तो नही रहा पर कांग्रेस और भाजपा के बागियों ने सपा की साइकिल चलाकर अपने प्रभाव से सपा का लाल झंडा जरूर लहराया है। ये समाजवादी पार्टी के लिये बडी उपलब्धि मानी जा सकती है।

कुलपति छात्रों से आज करेंगी सीधा संवाद

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी छतरपुर की कुलपति प्रो शुभा तिवारी गूगल मीट के माध्यम से यूटीडी एवं विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के सभी छात्र छात्राओं से 5 दिसंबर (मंगलवार) को सुबह 11.30 बजे "सीधा संवाद" करेंगी। बताया गया है कि इस संवाद में छात्र-छात्रायें कुलपति प्रो शुभा तिवारी से अपने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा का समाधान कर सकते हैं। जिसमें यूटीडी के छात्रों के बैठने की व्यवस्था विश्वविद्यालय सभागार में रहेगी। अन्य समस्त विद्यार्थी ऑनलाइन मोड में गूगल मीट के द्वारा संवाद कर सकते हैं।

पुलिस ने जनचौपाल में किया यातायात के बारे में जागरूक

छतरपुर, देशबन्धु। थाना किशनगढ़ पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए जन चौपाल लगाकर आमजन को जागरूक किया गया है। सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए पुलिस अधीक्षक अमित सांघी द्वारा जिले के सभी थानो में यातायात जागरूकता का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। लोगों को घने कोहरे से कारण दुर्घटना से बचाने के लिए एडवाइजरी भी जारी की गई है। साथ ही वाहनों में विजिबिलिटी के लिए रिफ्लेक्टर व रेडियम लगवाये जा रहे हैं।

साप्ताहिक हाट बाजारों ने बढ़ाई लोगों की मुसीबत

सड़क पर लग रहे सब्जी बाजार से लग रहा जाम

छतरपुर, देशबन्धु। शहर में हाइवे सहित अन्य सड़कों पर सात दिनों में लगने वाली सात साप्ताहिक हाटों ने लोगों की परेशानी बढा दी है। सड़क पर वाहन खडा करके सामान खरीदने वालों के कारण आवागमन बाधित होता है, अकसर दुर्घटनायें भी होती रहती हैं।

शहर में हर दिन किसी न किसी इलाके में साप्ताहिक सब्जी बाजार लगते हैं। पहले केवल रविवार को मेला ग्राउंड और बुधवार को बाजार में रामचरित मानस मैदान में साप्ताहिक हाट लगाती थी। समय के साथ शहर की आबादी बढ़ी तो शहर में लगने वाली साप्ताहिक हाटें बढ गईं। अब हर दिन किसी न किसी इलाके में साप्ताहिक सब्जी बाजार लगता है। साप्ताहिक बाजार के साथ हाइवे सहित प्रमुख सड़कों के किनारे सब्जी की दुकानें सजाई जा रही हैं।

बाजार के लिए मैदान न होने से हर दिन किसी न किसी इलाके में साप्ताहिक बाजार के दिन ट्रैफिक जाम हो जाता है। साप्ताहिक बाजार के दिन सड़कों से लोगों को निकालने में परेशानी होती है। कई बार नगर पालिका की ओर से कार्रवाई की गई फिर भी दुकानदार नहीं मान रहे हैं। जिसका खामियाजा इन दुकानों में आने वाले ग्राहकों और सड़कीं से आने जाने वालों को उठाना पड़ रहा है।

सड़क पर बाजार के दिन होती है परेशानी : साप्ताहिक सब्जी बाजार तीन दिन तो नेशनल हाइवे पर ही लगते हैं, बाकी चार दिन शहर की मुख्य सड़कों पर बाजार लगता है। रविवार को मेला ग्राउंड से लेकर रीवा ग्वालियर नेशनल हाइवे पर छत्रसाल चैराहे से होकर आकाशवाणी तिराहे तक और सागर कानपुर हाइवे पर बिजावर नाका के पास तक सब्जी की दुकानें लग जाने से पूरा आवागमन अस्त व्यस्त हो जाता है। शुक्रवार को पुलिस लाइन रोड़ पर साप्ताहिक बाजार के दिन सड़क पर दुकानें लगाई जाती हैं। खरीददारों को सड़क पर वाहन खड़ा करके खरीददारी करना पड़ती है। इसके साथ ही अन्य दिनों में भी इस रोड पर कई दुकानें लगती हैं जिससे आये दिन दुर्घटनायें होना आम बात है। महोबा रोड़ पर गुरूवार को साप्ताहिक बाजार के दिन दोनों ओर दुकानें लगती हैं। इसके साथ ही अन्य दिनों में भी बस स्टैंड से सौरा रोड तक दर्जन भर से अधिक दुकानें सड़क से सटाकर लगाई जा रहीं हैं। बुधवार को पुरानी गल्ला मंडी में रामचरित मानस प्रांगण में ही जगह आरक्षित है। बाजार वाला इलाका होने के कारण इस सड़क पर ट्रैफिक का दबाव हमेशा रहता है। लेकिन बुधवार को इस रोड से निकलना बहुत मुश्किल होती है। इसी तरह सोमवार को सटई रोड पर, मंगलवार को पठापुर रोड पर, शनिवार को संकटमोचन मंदिर के पास साप्ताहिक बाजार लगाया जाता है। एक बड़ी आबादी को जोड़ने वाली इन सडकों पर सब्जी बाजार लगने से लोगों को दिनभर जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। चार पहिया वाहन लेकर बाजार के बीच से निकलना मुश्किल होता है।

पार्किंग के लिये जगह न होने से परेशानी : सप्ताह में तीन दिन रविवार, गुरुवार और शुक्रवार को साप्ताहिक सब्जी बाजार नेशनल हाइवे किनारे लगता है। हाइवे के किनारे सब्जी की दुकानें सुबह से सज जाती है। यहां खरीददारी के लिए आने वालों के वाहन भी सड़क पर ही खडे होने से दिन में कई बार जाम लग जाता है। दरअसल बाजार इलाके सहित कहीं भी वाहन की पार्किंग के लिये कोई व्यवस्था न होने से लोग अपने वाहन सड़क के दोनों किनारों पर खड़े कर देते हैं। इससे हादसे का भय भी बना रहता है। जिम्मेदारों का इस ओर कोई ध्यान ही नहीं है।

इनका कहना है

साप्ताहिक बाजार लाइफ लाइन माने जाते हैं। शहर के हर इलाके में बाजार लगने से लोगों को सुविधा तो होती है, लेकिन यही बाजार सड़क किनारे से हटाकर मैदान में लगने लगें तो ये सुविधा और बढ़ जाएगी। लोगों को न ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ेगा न सड़क पर बाजार होने से जाम लगेगा।

नरेन्द्र अग्रवाल, छतरपुर

दुर्घटना और ट्रैफिक जाम से बचने के लिए जरुरी है कि न केवल नेशनल हाइवे पर लगने वाले बल्कि अन्य सड़कों पर लगने वाले बाजारों के लिए व्यवस्थित जगह की जरुरत है।

संदीप पिपरसानिया, व्यवसाई

साप्ताहिक बाजार की जगह के लिए नगर पालिका को खुद ही पहल करने की जरुरत है। नगर पालिका को खुद की या राजस्व या फिर नजूल से जमीन लेकर बाजार की जगह निर्धारित करे तभी इस समस्या का समाधान हो सकेगा।

राधेश्याम तिवारी, व्यवसाई

महंगी खाद बेचने पर दुकान सील, कई दुकानों का लिया जायजा

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देश पर रबी फसलों के दृष्टिगत जिले में उर्वरक का सुचारू वितरण कराने के लिए अधिकारियों ने खाद वितरण सोसायटी और अन्य वितरण केंद्रों का निरीक्षण किया है। बताया गया है कि कलेक्टर ने खाद की कालाबाजारी रोकने, खाद का अवैध भण्डार करने वालों पर कार्यवाही करने और जिले की सीमाओं सहित एमपी-यूपी बॉर्डर की चेकिंग करने के निर्देश भी दिए हैं। जिससे जिले का खाद अन्य राज्य एवं जिलों में परिवहन न किया जा सके। कलेक्टर के निर्देश पर सोमवार को एडीएम नम: शिवाय अरजरिया ने छतरपुर शहर के सटई रोड स्थित नीरज अग्रवाल खाद वेयर हाउस सहित नौगांव रोड के विभिन्न वितरण केन्द्रों पर निरीक्षण किया है। इस दौरान एसडीएम बलवीर रमन एवं डीडीए डॉ. बीपी सूत्रकार भी उपस्थित रहे। इसी क्रम में नौगांव तहसीलदार संदीप कुमार तिवारी ने हरपालपुर स्थित हरिश्चंद्र प्रजापति खाद बीज भंडार की जांच की और कृषकों से चर्चा की। इस दौरान ग्राम कैथोकर एवं भदर्रा के कृषकों ने बताया कि उन्हें निर्धारित कीमत से अधिक कीमत पर खाद दी और रसीद भी नहीं दी गई। तहसीलदार द्वारा मौके पर जांच करते हुए खाद बीज भंडार की दुकान को सील करने की कार्यवाही की गई है। साथ ही दुकानदारों को निर्धारित दर पर खाद बेंचने और रसीद देने की कड़ी हिदायत भी दी गई। इसी तरह बिजावर एसडीएम विजय द्विवेदी ने मंडी स्थित गोदाम में खाद वितरण का निरीक्षण कर कृषकों से चर्चा की। लवकुशनगर में कृषकों की व्यवस्था को देखते हुए टोकन देकर खाद वितरण कराया गया। बड़ामलहरा में भी अधिकारियों द्वारा खाद दुकानों के स्टॉक और विक्रय पंजी की जांच की गई।

सार समाचार

स्ट्रॉन्ग रूम में रखी गई पोल्ड ईवीएम मशीन, स्ट्रॉन्ग रूम किया गया सील

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत जिले की चारों विधानसभाओं की मतगणना रविवार को जिला मुख्यालय स्थित आईटीआई नर्मदापुरम में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। मतगणना उपरांत पोल्ड ईव्हीएम मशीनों को मतगणना स्थल पर सील किया गया। इसके उपरांत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह की उपस्थिति में कलेक्टोरेट परिसर के तवा भवन स्थित स्ट्रांग रूम में इन ईवीएम मशीनों को रखा गया और स्ट्रांग रूम सील बंद करने की कार्यवाही की गई। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा कुबेर सिंह मिर्धा, निर्वाचन सुपरवाइजर कैलाश दुबे तथा राजनीतिक दलों अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा मध्यप्रदेश स्पेशल एण्ड रेसिडेंशियल एकेडमिक सोसायटी भोपाल अंतर्गत संचालित विशिष्ट आवासीय विद्यालयों (कन्या शिक्षा परिसर, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय एवं आदर्श आवासीय विद्यालय) में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा आवेदन 06 दिसम्बर 2023 से विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन जमा किये जा रहे है। उक्त आवेदन की अंतिम तिथि 08 जनवरी 2024 निर्धारित है। प्रवेश परीक्षा दिनांक 11 फरवरी 2024 को निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जावेगी। विशिष्ट संस्थाओं में प्रवेश के लिए कक्षा 5 वीं में अध्ययनरत जनजातीय वर्ग, विशिष्ट पिछडी जनजाति, विमुक्त जनजातियां, घुमक्कड एवं अर्द्व घुमक्कड समुदाय के अलावा वे बच्चे जिन्होनें अपने माता-पिता को वामपंथी उग्रवाद, उग्रवाद, कोविड आदि के कारण खो दिया है तथा दिव्यांग एवं दिव्यांग माता-पिता की संतान, निराश्रित या भूमिदाता (जिन्होने विद्यालय भवन हेतु भूमि दान की है) एवं ट्रांसजेण्डर विद्यार्थियों के आवेदन कराये जा सकते है।

अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस आज

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस 5 दिसम्बर को प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाता है। यह आयोजन स्वैच्छिकसेवा के महत्वपूर्ण योगदान के बारे में समाज के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तरों पर उनके योगदान को रेखांकित करने का एक अवसर प्रदान करता है। जिला परियोजना समन्वयक एवं नोडल अधिकारी आनंदम जिला शिक्षा केन्द्र नर्मदापुरम ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि इस दौरान विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएगी जिसमें समस्त कार्यालय, समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, समस्त शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हायर सेकेण्ड्री एवं हाईस्कूल, समस्त सीएम राईज उमावि, समस्त एनजीओ, समस्त विकासखंड स्त्रोत समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र एवं समस्त अशासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हायर सेकेण्ड्री एवं हाईस्कूल अपनी सहभागिता निभायेंगे।

लो ठाकुर तो फिर आ गयो...

विपक्ष और विरोधियों को नहीं दिया मौका, नागवंशी ने लगाया फिर चौका

चौथी बार पिपरिया में भाजपा सरकार

पिपरिया, देशबन्धु। भारी विरोध और आरोपों के बीच भाजपा प्रत्याशी ठाकुरदास नागवंशी ने इस बार भी विधायकी अपने नाम दर्ज की है। शहर के आधा दर्जन से अधिक वरिष्ठ भाजपा नेताओं के जबर्दस्त विरोध के बावजूद श्री नागवंशी जीत का विजयी चौका लगाकर चौथी बार विधायक बनकर आए हैं। रविवार शाम शहर में विजय जुलूस का जगह जगह स्वागत हुआ। समर्थकों ने स्वागत में तुलादान, पुष्प वर्षा के साथ मिठाईयां बांटी।

विधानसभा 139 पिपरिया में भाजपा प्रत्याशी ठाकुरदास नागवंशी ने कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र वेलवंशी को 30,523 मतों से शिकस्त देकर, अपनी चौथी जीत दर्ज की है। रविवार शाम को विधायक कार्यालय से विजयी जुलूस निकाला गया। शहर में जगह-जगह नए विधायक का स्वागत भाजपा कार्यकर्ता,समर्थक व महिलाओं ने किया। मंगलवारा चौक पर पुष्पवर्षा से महिलाओं ने जमकर स्वागत किया। साथ ही जीत की खुशी में मिठाई भी बांटी गई। श्री नागवंशी ने हाथ जोड़कर जनता का अभिवादन किया।

डॉयलाग उल्टा हो गया

विपक्ष और विरोधियों ने सोशल मीडिया पर ठाकुर तो गयो डॉयलाग को काफी वायरल किया था। अति आत्मविश्वास में विपक्ष और विरोधी चौक-चौराहों पर नागवंशी की हार के परिणाम भी बताने लगे थे। इतना ही नहीं सूत्रों की मानें तो जीत-हार की शर्तें भी लगने लगीं थीं। भाजपा के अनेक दिग्गजों की इज्जत भी दांव पर लगी थीं। लेकिन, मतगणना शुरू होते ही नागवंशी की बढ़त ने विपक्ष और विरोधियों में खलबली मचा दी। आसमान में थमे बादल जैसे जैसे हट रहे थे। वैसे ही नागवंशी की जीत के संकेत बढ़ रहे थे। आखिरकार दिन ढलते ढलते डॉयलाग तो पलट गयो। लो ठाकुर तो फिर आ गयो।

नागपाल का नेतृत्व

पिपरिया विधानसभा में चौथी बार भाजपा को जीत दिलाने में भाजपा नेता नवनीत नागपाल की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है। टिकिट से लेकर चुनाव लड़ाने तक, श्री नागपाल का विरोध भाजपा के ही वरिष्ठ नेताओं द्वारा किया जा रहा था। वरिष्ठ कार्यालय तक इस विरोध के स्वर भी गूंजे थे। इतना ही नहीं चुनाव प्रचार और उलट फेर कराने के लिए आधा दर्जन से अधिक भाजपा नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। परंतु,इस चुनाव में कुशल नेतृत्व के साथ चौथी बार भाजपा की सरकार बनाने में जो भूमिका श्री नागपाल ने निभाई है उसकी प्रशंसा पूरा क्षेत्र कर रहा है।

क्या कहा इन्होंने

लाड़ली बहिनों का आशीर्वाद, जनता का अपार प्रेम और भाजपा के विकास कार्यों का ही परिणाम है कि एक बार फिर आम जनता ने हमें सेवा का अवसर दिया है।

ठाकुरदास नागवंशी
विजयी प्रत्याशी, भाजपा पिपरिया

तुलसी चौक पर सभा में विधायक ने जताया मतदाताओं का आभार

अब अपराधियों को संरक्षण देने वालों को खत्म करेंगे : डॉ. शर्मा

श्री राम-जानकी मंदिर से पूजा-अर्चना करके निकाला विजयी जुलूस

इटारसी, देशबन्धु। हमने इटारसी का अपराधमुक्त करने का काम किया है, अब बारी है अपराधियों को संरक्षण देने वालों की। वे सावधान हो जाएं। मैंने हमेशा सुचिता और पवित्रता की राजनीति की है, कभी शराब और पैसे बांटकर वोट नहीं लिये। मतदाताओं ने मुझ पर जो भरोसा किया है, उस पर मैं खरा उतरने का भरपूर प्रयास करूंगा।

यह आश्वासन आज तुलसी चौक में अपनी जीत के बाद आभार सभा के मंच से विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने नगर को दिया। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, नाली, पानी जैसे मूलभूत समस्या खत्म करेंगे। शहर को स्वच्छ बनायेंगे जिसमें नगर की जनता के सहयोग की जरूरत रहेगी। आपके सहयोग के बिना यह संभव नहीं है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार की दिशा में काम करने का वादा किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि आज न मैं काम गिनाऊंगा और ना ही आगे किये जाने वाले काम बताऊंगा। हम आगे क्या करेंगे इसका एक ब्लूप्रिंट तैयार करेंगे। विधायक ने संपूर्ण प्रदेश में भाजपा को स्पष्ट बहुमत के लिए मतदाताओं का आभार जताया और 2024 में इस महायज्ञ की पूर्णाहुति करने को कहा। उन्होंने चुनाव के दौरान के अनुभवों पर शेर सुनाया फानूस बनकर जिसकी हिफाजत हवा करे, वो समा क्या बुझे जिसे रोशन खुदा करे।

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि इस चुनाव में षड्यंत्र बहुत हुए हैं, बगावत हुई है फिर भी जनता ने डॉ. शर्मा पर भरोसा जताया इसके लिए सभी का आभार। वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पगारे ने कहा कि एक प्रत्याशी को मोहरा बनाकर पेश किया गया था। आपराधिक तत्व भी डॉ. शर्मा को हराने में पुरजोर कोशिश कर रहे थे। अब पांच वर्ष विधायक अपराधियों के लिए परशुराम के अवतार में रहेंगे और सज्जनों के लिए सज्जन रहेंगे। जयकिशोर चौधरी ने कहा कि विधायक ने 1990 में जब पहली बार विधायक प्रारंभ की, शहर में गुंडों का बोलवाला था, महिलाएं सुरक्षित नहीं थीं, अराजकता की स्थिति थी, डॉ. शर्मा ने शहर से गुंडे खत्म किये, शहर में अमन-शांति का माहौल बनाया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत के अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे, नगर पालिका के अनेक पार्षद, वरिष्ठ नेता विश्वनाथ सिंघल, उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत सहित अनेक भाजपा नेता, युवा मोर्चा के सदस्य, महिला मोर्चा की सदस्य मौजूद थीं। संचालन पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष नीरज जैन ने और आभार प्रदर्शन मनीष ठाकुर ने किया।

विजयी जुलूस निकाला

भारतीय जनता पार्टी के विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा का विजयी जुलूस पहली लाइन स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर से निकाला। यहां पूजा अर्चना के बाद यह विजया जुलूस सराफा बाजार, आठवी लाइन, शास्त्री मार्केट, पुराना फल बाजार, चिकमंगलूर चौराहा, जयस्तंभ, चौक होकर श्री दुर्गा मंदिर दुर्गा चौक, श्री द्वारिकाधीश मंदिर पहुंचा जहां विधायक ने पूजा अर्चना की। जुलूस बाजार क्षेत्र में जहां गया किसी ने तुलादान किया, किसी ने सम्मान किया। किसी ने तिलक लगाया, पुष्प वर्षा भी जगह-जगह की गई। सभा मंच के सामने जिला हॉकी संघ के खिलाड़ियों ने विधायक पर पुष्पवर्षा की। विधायक स्वयं खिलाड़ियों से जाकर मिले। विजय रथ पर डॉ. शर्मा के अलावा विधानसभा प्रभारी विश्वनाथ सिंघल, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, पूर्व नगर भाजपा अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन, जिला भारतीयजनता पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जय किशोर चौधरी, नगर पालिका उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत, भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल महामंत्री राहुल चौरे भी सवार थे।

कोहरे ने सुबह-सुबह बढ़ाई ठंड, हल्की हवा भी दे रही थी चुभन

इटारसी, देशबन्धु। सोमवार की सुबह कोहरे की चादर ओढ़ आयी। अल सुबह घना कोहरा था, कुछ देर के लिए कम हुआ और सात बजे से फिर घना कोहरा हो गया। सुबह दस बजे तक कोहरे का असर हल्का हो गया था, लेकिन सूर्य की किरणों की गैरमौजूदगी के कारण कोहरे का असर साफ दिख रहा था। कोहरे से ठंड तो बढ़ी साथ ही हल्की हवाएं भी चुभ रही थी। सुबह करीब 11:35 बजे हल्की धूप निकली लेकिन अगले ही पल सूरज फिर बादलों की ओट में छिप गया। सुबह का आलम यह था कि देखते ही देखते पूरा शहर कोहरे की चादर से ढंक गया। इस कारण सड़क पर दौड़ने वाले वाहनों की रफ्तार कुंद हो गई। हाईवे पर वाहनों की रफ्तार 30-40 किलोमीटर प्रतिघंटा रही। सुबह के समय वाहन चालकों लाइट का सहारा लेना पड़ा। आज सूर्य की हल्की किरण भी नहीं निकली। कोहरे ने आसमान को चारों तरफ से घेर लिया और देखते ही देखते चारों तरफ घना कोहरा छा गया। अचानक प्रकृति के इस बदलाव का देख हर कोई हैरान रह गया। अहसास हो गया कि अब ठंड शुरू हो गई। क्योंकि पिछले दो दिन पूर्व तक बारिश का दौर था।

कोहरा अधिक होने के कारण सबसे ज्यादा दिक्कत सड़क पर आने वाले वाले वाहनों व राहगीरों को हुई। सुबह के समय जो वाहन सड़कों पर फर्राटा भरते नजर आते थे उनकी रफ्तार को कोहरे ने रोक दिया। शहर के अंदर वाहन लाइट जलाकर आते जाते दिखे। ग्रामीण क्षेत्रों में भी कोहरा और ही घना रहा। हालांकि सर्दी के मौसम में कोहरा होना एक आम बात है लेकिन कई बार कोहरा होने की वजह से अपारदर्शिता आ जाती है। कोहरा सामान्यता दिसंबर अंत में ज्यादा पड़ता है।

सुबह ओवरब्रिज पर वाहन लाइट जलाकर चल रहे थे, द ग्रेंड एवेन्यू कालोनी के सामने सोनासांवरी गांव दिखाई नहीं दे रहा था। देशबंधुपुरा में रोड पर एसबीआई चौराह भी धुंध की भेंट चढ़ा था। गलियों में भी दूर तक देखना संभव नहीं था। रेलवे ट्रेक भी कोहरे में ढंका था तो रोडों पर वाहनों को लाइट जलाकर चलना पड़ा।

ट्रेन से गिरे व्यक्ति को ट्रैक से उठाकर ढाई किमी चले, एम्बुलेंस से लाकर भर्ती कराया

इटारसी, देशबन्धु। एम्बुलेंस 108 की मदद से पथरोटा थाना की टीम ने रेलवे की टीम के साथ मिलकर ट्रेन से गिरे एक व्यक्ति को रेलवे ट्रैक से उठाकर मुख्य मार्ग तक आने के लिए ढाई किलोमीटर का सफर तय किया। मुख्य मार्ग पर एम्बुलेंस में लेकर अस्पताल आए और उसे भर्ती कराया।

आज सुबह 8:40 बजे एक कॉल आया जिसमें कॉलर ने बताया कि एक व्यक्ति ट्रेन से गिरकर घायल हो गया है। तत्काल मौके पर रवाना होकर घटनास्थल पर जाकर देखा। घायल व्यक्ति का नाम मनप्रीत सिंह निवासी नलगोंडा आंध्र प्रदेश है, जो ट्रेन से गिरकर बुरी तरह से घायल हो गया। उसका एक पैर कट गया है। घायल व्यक्ति को स्टाफ धर्मेन्द्र कुचबंदिया, पायलट करीम खान ने स्ट्रेचर पर लिटाकर तकरीबन ढाई किलोमीटर दूर रेलवे ट्रैक से मुख्य सड़क तक लाये एवं 108 एंबुलेंस की मदद से शासकीय अस्पताल रवाना कराया।

हिसार-तिरुपति-हिसार एक्सप्रेस स्पेशल दो-दो ट्रिप निरस्त रहेगी

इटारसी। दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद मंडल के काजीपेठ जंक्शन-कोंडापल्ली रेल खंड पर स्थित वारंगल स्टेशन तथा विजयवाड़ा मंडल के विजयवाड़ा जंक्शन-गुडूर जंक्शन रेल पर सुरारेड्डीपालेम व ओंगोल स्टेशन पर तीसरी लाइन के लिए प्री नॉन/नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाना है।

भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली 09715 हिसार-तिरुपति साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 09 एवं 16 दिसंबर 2023 को तथा 09716 तिरुपति-हिसार साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल 12 एवं 19 दिसम्बर 2023 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

पुलिस ने चोरी की घटना के एक पखवाड़े बाद मामला दर्ज किया

इटारसी, देशबन्धु। सिटी पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं में लगभग एक पखवाड़े के बाद अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। खास बात तो यह है कि एक मामले में आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद भी हुआ बताया जा रहा है, बावजूद इसके पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। फरियाद ने करीब पंद्रह से बीस लाख रुपए की चोरी होना कहा था, पुलिस रिकार्ड में महज 90 हजार ही दर्ज है। पुलिस के अनुसार 14 नवंबर को न्यास कालोनी में एमआईजी-2 में मुस्कान संस्था के सामने रहने वाले आनंद पिता उमाशंकर परसाई 53 वर्ष के यहां चोरी हुई थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ 3 दिसंबर को मामले में एफआईआर दर्ज की है। इसी तरह से 11 नवंबर को भारत माता चौराह मालवीयगंज निवासी राजेन्द्र सिंह पिता यशंवत सिंह के यहां चोरी हुई थी। पुलिस ने दोनों मामलों में पुराने इस्तेमाली जेवर दर्ज किये हैं। मालवीयगंज में हुई चोरी 56 हजार रुपए की दर्ज हुई है। दरअसल पुलिस जेवरों की कीमत उस वक्त की आंकती है, जब वे खरीदे गये थे, जबकि फरियादी आज की कीमत के अनुसार कीमत बताता है।

एमजीएम कालेज में विश्व दिव्यांगजन दिवस पर दी महत्वपूर्ण जानकारी

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं खेल विभाग के तत्वावधान में विश्व दिव्यांगजन दिवस का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. राकेश मेहता ने अध्यक्षता की।

डॉ. मेहता ने इस दिवस मनाये जाने के उद्देश्य के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि 1992 से विश्व दिव्यांगजन दिवस मनाया जाता है जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को समाज की मुख्य धारा में लाकर देश को विकास की राह में ले जाना है। दिव्यांगजनों के साथ हमारा व्यवहार एवं आचरण सामान्य एवं उत्साहजनक होना चाहिये। खेल विभाग में योग प्रशिक्षक राकेश चौहान ने विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने हेतु योग प्राकृतिक चिकित्सा की जानकारी दी, साथ ही यह बताया कि योग को दैनिक जीवन में जोड़कर कर स्वयं स्वस्थ हो सकते हैं, परिवार को भी स्वस्थ रख सकते हैं। योग हमारी भारतीय परंपरा है और हमें इसका पालन करना चाहिये। साथ ही उपस्थित विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के समस्त स्टाफ के साथ योगिक सूक्ष्म अभ्यास श्वांस प्रश्वांस का अभ्यास तथा छोटे-छोटे योग अभ्यास कराये। जिसमें गर्दन चालन, नेत्र चालन, चेहरे का मसाज, स्कंध चालन, हाथ की अंगुलियों का अभ्यास साथ ही बैठकर किये जाने वाले आसनों का अभ्यास कराया गया। इस दौरान तितली आसन, पर्वत आसन, साथ में हास्य आसन की विद्याओं के बारे में भी बताया। सभी ने पूर्ण मनोयोग एवं आनंद के साथ योग का आनंद लिया। आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. पीके अग्रवाल ने कहा कि महाविद्यालय में दिव्यांगजन हेतु एक प्रकोष्ठ निर्मित है जिसमे कई तरह के संसाधन उपलब्ध हैं। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अलावा महाविद्यालय के डॉ. रश्मि तिवारी, श्रीमती सुशीला बरबड़े, डॉ. असुंता कुजुर, डॉ. बस्सा, डॉ. लशगरिया आदि उपस्थित थे।

नियमों का उल्लंघन कर प्लेटफार्म पर कारोबार करने वाले 28 वेंडर आरपीएफ ने पकड़े

इटारसी। रेलवे स्टेशन पर अवैध और नियमों का उल्लंघन करके कारोबार करने वाले वेंडर्स के खिलाफ आरपीएफ द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे ही 28 वेंडर्स आरपीएफ ने फिर पकड़े हैं।

आरपीएफ इटारसी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नियमों का उल्लंघन करने वाले और अवैध रूप से वेंडिंग करने वालों के विरूद्ध लगातार चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा ही है। आरपीएफ इटारसी पोस्ट इंचार्ज इंस्पेक्टर एसके बाजपेयी ने बताया कि इसी के अंतर्गत नियमों का उल्लंघन करने वाले और मेडीकल कार्ड की वैधता समाप्त होने वाले वेंडरों के विरूद्ध सघन अभियान में कुल 23 वेंडरों को पकड़ कर रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

पंचकल्याणक एवं गजरथ महोत्सव का आगाज, घटयात्रा निकाली

इटारसी, देशबन्धु। सकल जैन समाज का पंचकल्याणक महोत्सव इटारसी में प्रारंभ हो गया है। आज प्रथम दिन आज प्रात: 7 बजे श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से घट यात्रा प्रारंभ हुई। महिला वर्ग केसरिया वस्त्र में अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थीं तो वहीं पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्र में भक्ति भाव के साथ कंधे पर भगवान जी की पालकी को लेकर चल रहा था।

शोभायात्रा में मुनि श्री निर्णय सागर एवं छुल्लक सुधीर सागर चल रहे थे। जैन समाज के युवा बच्चों द्वारा संचालित दिव्य घोष की मधुर ध्वनि पर लोग भक्ति भाव के साथ थिरक रहे थे। शोभायात्रा की प्रमुखता यह रही कि जहां वास्तविक श्याम कलर के गजराज पर पंचकल्याणक के प्रमुख पात्र

सौ धर्म इंद्र एवं राजा नाभिराय भगवान के पिता विराजमान थे, तो वहीं श्वेत हाथी पर महापात्रा कुबेर एवं महायज्ञानायक विराजमान थे। शोभा यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पंचकल्याणक स्थल एलकेजी महावीर विद्यालय प्रांगण में पहुंची जहां श्री जी को विराजमान किया एवं सभी ने प्रमुख पात्रों के साथ पूर्ण भक्ति भाव के साथ यज्ञ मंडल विधान, विश्व शांति के लिए संपन्न किया। प्रथम दिन की महा आरती का सौभाग्य श्रीमती रचना प्रशांत जैन वर्धमान कॉलेज परिवार को प्राप्त हुआ। महा आरती पुनर्जक परिवार गजराज पर बैठकर महारथी कार्यस्थल पर पहुंचे और बहुत ही धूमधाम के साथ प्रभु की आरती संपन्न हुई। रात्रि में भगवान के माता-पिता राजा नाभि राय एवं रानी मरु देवी का दरबार लगा, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस पंचकल्याणक में बनने वाले नवीन मंदिर श्री महावीर जिनालय के मूल नायक की मूर्ति विराजमान करने का सौभाग्य सुभाष, श्रीमती प्रभा जैन परिवार को प्राप्त हुआ वहीं विधि नायक भगवान आदिनाथ की मूर्ति विराजमान करने का सौभाग्य राहुल मांगीलाल जैन को प्राप्त हुआ। शांतिनाथ भगवान की मूर्ति विराजमान करने का सौभाग्य राजकुमार जैन, श्री आदिनाथ जिला में विराजमान होने वाली भगवान मल्लिनाथ की मूर्ति विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती सुषमा नरेंद्र कुमार जी सिंघई को प्राप्त हुआ।

पाषाण से भगवान बनने की इस प्रक्रिया को जबलपुर से आये बाल ब्रह्मचारी प्रदीप, पीयूष एवं भोपाल से आये बाल ब्रह्मचारी सुमित के द्वारा संपन्न किया जा रहा है। कार्यक्रमों की संख्या में कल इटारसी शहर में बनने वाले विशाल मान स्तंभ की शुद्धि वर्धमान कॉलेज परिसर में होगी एवं श्री आदिनाथ जिनालय की विशाल भव्य वेदी की शुद्धि का कार्यक्रम कावेरी स्टेट जैन मंदिर में प्रात: 10 बजे शोभायात्रा के रूप में प्रारंभ होगा।

विधानसभा चुनाव के दौरान रही खासी व्यस्तता के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज भोपाल स्थित एमपी नगर स्थित एक होटल में पहुंचे। उन्होंने यहां परिवार के साथ भोजन किया। पत्नी साधना सिंह और उनके दोनों बेटे कार्तिकेय और कुणाल उनके साथ थे।

विधानसभा चुनाव निपटते ही लोकसभा की तैयारी में जुटी भाजपा

'हर बूथ पर मोदी' अभियान शुरू होगा

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा में रिकार्ड जीत दर्ज कराने के बाद भाजपा अब लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है । चुनाव से पहले भाजपा 'हर बूथ पर मोदी' अभियान चलाएगी। इस अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव में 51 प्रतिशत मत के साथ 29 लोकसभा सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ काम करेंगे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज यहां मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश के 64 हजार 523 बूथ पर मोदी अभियान चलेगा और इसकी शुरुआत कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण की योजनाएं चलाई गईं। डबल इंजन की सरकार विकास और गरीब कल्याण का काम करती आई है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं ने अपनी भूमिका निभाकर शानदार निर्वहन किया है। पन्ना प्रमुख से लेकर पन्ना समिति, बूथ समिति से लेकर मंडल के कार्यकर्ता और जिले से लेकर प्रांत की टीम ने मिलकर एक साथ जुड़कर काम किया है। और इस चुनाव में पार्टी के वोट प्रतिशत में काफी इजाफा हुआ। एक सैकड़ा से अधिक विधानसभा सीटों पर 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट पार्टी ने हासिल किए। इस निरंतरता को और बढ़ाया जाएगा। इस अभियान में हर बूथ पर मोदी अभियान के तहत वोट प्रतिशत बढ़ाने के साथ ही बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी कार्यकर्ता कार्य करेंगे।

श्री शर्मा ने कहा कि पार्टी का अगला लक्ष्य राज्य में सभी 29 लोकसभा सीटे जीतने का है। इसके लिए पार्टी प्रत्येक बूथ पर 10 प्रतिशत वोट बढ़ाने का लक्ष्य के साथ काम करेगी। इसके लिए उन बूथों को भी चिन्हित किया गया है जहां पार्टी अपेक्षाकृत कम मतों से जीती है। उन्होंने कहा कि मैंने कम अंतर से हारे प्रत्याशियों को कहा कि पार्टी उनके साथ खड़ी है।

कर्मचारियों के साथ विस के प्रमुख सचिव ने की बैठक

नवनिर्वाचित सदस्यों के स्वागत के लिए तैयार है विधानसभा

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि सोलहवीं विधानसभा के गठन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, निर्वाचन परिणाम आ चुके हैं।

विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों की ससम्मान अगवानी के लिए विधानसभा सचिवालय पूर्ण रूप से उत्साह के साथ तैयार है। श्री सिंह ने आज विधानसभा सभा में अधिकारियों और कर्मचारियों की समीक्षा बैठक में कहा कि विधानसभा सचिवालय का एक विशिष्ट स्थान है जिसकी हम सभी को अपने कार्य व्यवहार से गरिमा बनाए रखनी है। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए विधानसभा भवन स्थित समिति कक्ष क्रमांक – 2 में स्वागत कक्ष 5 दिसंबर, से प्रारंभ किया जाएगा, जिसमें नवनिर्वाचित सदस्यों के प्रमाण पत्रों की जांच करने के साथ ही उन्हें परिचय पत्र और अन्य सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही उन्हें विधानसभा का साहित्य और रेलवे कूपन इत्यादि प्रदान किए जाएंगे।

इसी तरह नवीन विधायकों के लिए विधायक विश्राम गृह में आवास की भी व्यवस्था रहेगी। आवास संबंधी जानकारी के लिए संपर्क सूत्र के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति भी की गई है वे मोबाइल पर पूरे समय उपलब्ध रहेंगे । प्रमुख सचिव ने संबंधित शाखाओं के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस संबंध में पूरी तैयारी के साथ मौजूद रहने के लिए कहा है।

लोकतंत्र-राजनीति में इस प्रकार के परिणाम आते रहते हैं : यादव

लखनऊ/वाराणसी, 4 दिसम्बर (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीन राज्यों में भाजपा की जीत और इंडिया गठबंधन के भविष्य को लेकर कहा कि हम निराश नहीं हैं। लोकतंत्र में ऐसे नतीजे आते रहते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि सबका साथ और सबका विकास हो रहा है। सपा मुखिया अखिलेश यादव सोमवार को वाराणसी पहुंचे। इस दौरान मुरदहा स्थित नेशनल इक्वल पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बातचीत में राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों पर कहा कि राजनीति में इस तरह के परिणाम आते रहते हैं। हम परिणाम को स्वीकार करते हैं। लेकिन, यह नहीं भूलना चाहिए की लड़ाई अभी बहुत लंबी है। यह चुनाव परिणाम उन राज्यों के हैं, जहां के लोग अभी भाजपा के शासनकाल से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। जिन राज्यों में भाजपा का शासन है, वहां की जनता से हकीकत पूछिए तो बात समझ में आएगी। कांग्रेस से गठबंधन के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि एमपी में गठबंधन को लेकर बात नहीं बन पाई थी। मध्य प्रदेश की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। लोकसभा चुनाव में क्या स्थितियां बनेंगी, यह आने वाला वक्त ही बताएगा। ईवीएम को लेकर उठ रहे सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारे लैपटॉप अभी चल रहे हैं। मतगणना का तरीका हमें जापान और अमेरिका से सीखना चाहिए। वहां एक महीने काउंटिंग होती है। कांग्रेस के सनातन विरोध पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि हम सब लोग सनातन धर्म को मानने वाले हैं। खास बात तो यह है कि जो लोग सनातन का विरोध कर रहे हैं, वे भूल गए हैं कि उनकी जड़ें भी सनातन धर्म से ही जुड़ी हैं।

कमलनाथ की अध्यक्षता में आज होगी बैठक, दिग्विजय और सुरजेवाला भी रहेंगे मौजूद

कांग्रेस आज हार के कारणों की समीक्षा करेगी

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में करारी हार के कारणों पर मंथन करने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार 11 बजे प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बैठक बुलाई है । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में हार के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश के चुनाव प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, कांग्रेस सभी प्रत्याशियों से चर्चा करेंगे।

सूत्रों की मानें तो हर एक प्रत्याशी से उनकी हार का कारण पूछा जाएगा, व्यक्तिगत रूप से और संगठन स्तर पर पार्टी से चुनाव में कहां चूक हुई। कांग्रेस के अनुषांगिक संगठनों महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारियों की चुनाव में सक्रियता के संबंध में जानकारी ली जाएगी। भीतरघातियों का किसी प्रत्याशी की पराजय में कितना हाथ रहा, इसकी जानकारी भी प्रत्याशी से ली जाएगी। समीक्षा बैठक में हार के कारण निकलकर सामने आएंगे, उनसे आलाकमान को अवगत कराने के बाद कांग्रेस कुछ कड़े फैसले ले सकती है।

जिसके तहत संगठन में फेरबदल करने और भीतरघातियों को पार्टी से निष्कासित करने के फैसले लिए जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का करारी शिकस्त का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस को 230 विधानसभा सीटों में सिर्फ 66 सीटें ही जीत सकी है।

नरोत्तम बोले - मैं फिर लौटकर आऊंगा, शांत बैठने वाला नहीं हूं

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में मिली पराजय के बाद दतिया पहुंचे गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा आज भावुक हो गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि मैं, शांत बैठने वालों में से नहीं हूं मैं फिर लौटकर आऊंगा। उन्होंने जनादेश को स्वीकार करते हुए कहा कि कहां गलती हुई है उस पर विचार करेंगे, शायद हमसे ही कोई गलती हुई है, जो हम अच्छे से आम जनता की सेवा नहीं कर पाए। डॉ. मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को प्राणों से प्यारा बताते हुए कहा कि चिंता मत करना सरकार आपकी है। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकर्ताओं के विकास की चिंता मेरी है। उल्लेखनीय है कि दतिया विधानसभा क्षेत्र से डॉ. मिश्रा ने लगातार 3 बार जीत हासिल की थी। लेकिन इस बार उन्हें कांग्रेस के राजेन्द्र भारती से पराजय का सामना करना पड़ा है।

कांग्रेस को सहयोगियों ने आंख दिखाना शुरू किया

गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होंगी ममता

नई दिल्ली, देशबन्धु। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली बड़ी पराजय के बाद अब इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने उसे आंख दिखाना शुरू कर दिया। पहले कांग्रेस की हार के लिए सहयोगियों ने उसे खुद जिम्मेदार बताया। अब जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 6 दिसम्बर को इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई गई है तो टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने इसमें भाग लेने से इनकार कर दिया है।

ममता ने कहा कि उन्हें इंडिया गठबंधन की बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं है। जबकि उनका पहले से ही सप्ताह भर का कार्यक्रम तय हैं। लिहाजा अब अगर उन्हें बुलाया भी जाता है तो वे इसमें भाग नहीं ले पाएंगी। वहीं सूत्र बता रहे हैं कि ममता कांग्रेस के रवैए से नाराज हैं। क्योंकि बैठक बुलाने से पहले उनसे कोई सलाह- मशविरा नहीं किया गया। इसके चलते वे इस बैठक में भाग लेने से इनकार करके कांग्रेस को चेताना चाहती हैं। ताकि खेत्रीय दल होने के नाते कांग्रेस ने हल्के में न ले। साथ ही वे चाहती हैं कि इंडिया गठबंधन में उन्हें संयोजक या कोई अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिले। ताकि कांग्रेस पार्टी सहयोगी दलों के साथ बराबरी के स्तर पर बात करे। मालूम हो कि पांच राज्यों के चुनाव से पहले भाजपा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस, टीएमसी, राजद,जदयू,सपा और डीएमके समेत 26 विपक्षी दलों ने एक साथ आकर इंडिया गठबंधन बनाने की घोषणा की थी। इसकी लगातार तीन बैठकें भी हुई। लेकिन पांच राज्यों के विधानसभा .चुनाव में कांग्रेस ने सहयोगी दलों को कोई तवज्जो नहीं दिया। जिसके चलते उनमें गहरी नाराजगी है और अब वे इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की अगुवाई नहीं बल्कि बराबर के स्तर पर आगे की बातचीत चाहते हैं।

झाबुआ में कांग्रेस ने 2, भाजपा ने 1 सीट जीती, अलीराजपुर में 1-1 से हुई बराबरी

झाबुआ की तीनों सीटों पर 'भूरिया' जीते

धर्मेन्द्र पांचाल

झाबुआ, देशबंधु। तीन दिसबंर को प्रदेश में हुई मतगणना में आदिवासी बहुल झाबुआ-अलीराजपुर में 2018 के मुकाबले बड़ा उलटफेर नहीं हुआ। 2018 में 4 सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया था और भाजपा को महज एक सीट से संतोष करना पड़ा था। इस बार भाजपा ने अलीराजपुर और पेटलावद की सीट कांग्रेस से छीन ली, तो जोबट सीट पर कांग्रेस ने कब्जा जमा लिया। सबसे कम अंतर से थांदला सीट पर कांग्रेस के वीरसिंह भूरिया ने जीत हासिल की। वहां भाजपा प्रत्याशी कलसिंह भाबर ने पुनर्गणना के लिए आवेदन दिया, परंतु परिणाम में किसी तरह का अंतर देखने नहीं मिला। सबसे बड़ी जीत जोबट से सेना महेश पटेल की हुई। उन्होंने 38,757 वोट से जीतकर सबको चौंकाया। जबकि उनके देवर महेश पटेल अलीराजपुर से चुनाव हार गए। झाबुआ से विजयी हुए डॉ. विक्रांत भूरिया अब अपने पिता की विरासत को संभालेंगे, तो पेटलावद सीट से दिलीप सिंह भूरिया की बेटी निर्मला पांचवीं बार विधायक बन गई हैं। इस तरह झाबुआ जिले की तीनों सीट पर भूरियाओं का कब्जा हो गया है।

यह रहा परिणाम

झाबुआ- विक्रांत भूरिया (कांग्रेस) 15693 से जीते
भाजपा 87458, कांग्रेस 103151

थांदला- वीरसिंह भूरिया (कांग्रेस) 1340 वोट से जीते
भाजपा 103857, कांग्रेस 105197

पेटलावद- निर्मला भूरिया (भाजपा) 5647 वोट से जीती
भाजपा 101512, कांग्रेस 95865

अलीराजपुर- नागरसिंह चौहान (भाजपा) 3723 वोट से जीते
भाजपा 83764, कांग्रेस 80041

जोबट- सेना महेश पटेल (कांग्रेस) 38757 वोट से जीती
भाजपा 42027, कांग्रेस 80784

थांदला में दिखी कांटे की टक्कर

थांदला में कांग्रेस के वीरसिंह और भाजपा के कलसिंह में कांटे की टक्कर देखने को मिली। भाजपा जहां लाड़ली बहना के भरोसे एक लाख का आंकड़ा छू पाई, तो वहीं वीरसिंह भूरिया गांधीवादी छवि के सहारे चुनाव लड़ते नजर आए। जहां 2018 के चुनाव में 31121 वोट से वीरसिंह जीते थे, तो वहीं इस बार 1340 वोट से ही जीत नसीब हो पाई। मतगणना के दौरान किसी अंतिम 4-5 चक्रों में कभी कलसिंह आगे तो वीरसिंह आगे बढ़त बनाते हुए दिखे। अंत में परिणाम वीरसिंह भूरिया के पक्ष में ही रहा। डाक मत पत्रों का सहारा भी वीरसिंह के लिए वरदान साबित हुआ। आखिरी दौर में जहां वीरसिंह 997 वोट की बढ़त बनाए हुए थे। तो वही डाकमत पत्रों को जोड़ने के बाद 1340 वोट से वे जीत गए।

झाबुआ में 5 राउंड बाद बढ़ी विक्रांत की बढ़त

झाबुआ सीट, प्रदेश की चर्चित सीटों में शामिल थी। इस बार कांग्रेस ने कांतिलाल भूरिया की जगह उनके बेटे को चुनाव लड़वाया। श्री भूरिया के उत्तराधिकारी के चुनाव को लोग बड़ी उत्सुकता से देख रहे थे। यहां पर 5 चक्रों तक भाजपा के भानू भूरिया ने 2910 वोटों की बढ़त बनाई हुई थी। उसके बाद कांग्रेस के वर्चस्व वाले बूथों के परिणाम आना शुरू हुए। तब 9 चक्रों तक भानू की लीड खत्म हुई। 26 वें चक्र में विक्रांत ने 15294 वोट से जीत हासिल की।

पेटलावद में 18 वें राउंड से भाजपा को मिली जीत की राह

पेटलावद से भाजपा की निर्मला भूरिया ने जीत हासिल की। पहले और दूसरे चक्र में बढ़त बनाने के बाद निर्मला भूरिया की बढ़त कम होने लगी। 7वें यह 3318 वोट की हुई और कांग्रेस के वालसिंह पिछड़ गए। 10 वे चक्र तक भाजपा की लीड कम होती गई और कांग्रेस के वालसिंह ने दम दिखाया। 18वें दौर की गणना में भाजपा ने फिर अपनी बढ़त बनाई और 23वें राउंड में उसे जीत में बदल दिया।

मायावती ने चुनाव परिणामों को बताया विचित्र

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने चार राज्यों के चुनावी नतीजों को विचित्र और रहस्यमयी बताया है। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया बैठक में इसे लेकर मंथन किया जायेगा। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि चार राज्यों में अभी हाल में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से सभी लोगों का शंकित, अचंभित व चिंतित होना स्वाभाविक है। चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल है।

डॉक्टर कफील खान पर केस दर्ज किया गया

लखनऊ। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज के पूर्व डॉक्टर कफील खान और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ उनकी किताब के प्रकाशन पर मामला दर्ज किया गया है, जिसका कुछ पाठ कथित तौर पर उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ है। थाना प्रभारी, कृष्णा नगर, लखनऊ, जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- प्राथमिकी कृष्णा नगर के व्यवसायी मनीष शुक्ला की शिकायत पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं और प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के उल्लंघन के तहत दर्ज की गई है।

आत्मीय बधाई.....

ठाकुर विजयपाल सिंह
को सोहागपुर विधानसभा से
चौथी बार विधायक बनने पर
आत्मीय बधाई...

बधाईकर्ता

सुरेश पटेल (भाई साहब)
जिला उपाध्यक्ष

ललित पटेल
मंडल अध्यक्ष शोभापुर

सौजन्य : शोभापुर भाजपा मंडल मित्र मंडली

भाजपा को अप्रत्याशित जीत का उपहार, कांग्रेस को नए नेतृत्व की दरकार

• **नरेन्द्र कुमार मौर्य**

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव परिणामों ने तमाम राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। यह एक अजूबा ही कहा जायेगा कि जिस सत्ता विरोधी भावना (एंटी इनकम्बेंसी) के चलते तीन राज्यों में सत्ताधारी दल चुनाव हार जाते हैं, वही भावना मध्यप्रदेश में 18 साल से काबिज भाजपा सरकार के प्रति तिरोहित हो जाती है। लगता है जैसे जनता ने नाराज़ होने के बजाय भाजपा सरकार की पीठ थपथपाई है। हालांकि अभी यह देखना बाकी है कि केंद्रीय नेतृत्व शिवराज सिंह की पीठ कैसे थपथपाता है। सवाल है कि ऐसा हुआ कैसे। इसके लिए दाद देनी होगी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को। तमाम आलोचनाओं और आलाकमान की उपेक्षा के बावजूद उनका उत्साह कम नहीं हुआ। वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने अभियान में जुटे रहे। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। वे खूब बोले और कांग्रेस को निशाना बनाते रहे।

भाजपा के पास कार्यकर्ताओं का काडर है। अकूत संसाधन हैं और नेताओं का बड़ा समूह भी है। यही वजह है कि शुरूआत में पिछड़ने के बाद भाजपा ने जबरदस्त वापसी की। दूसरी तरफ कांग्रेस ने जो माहौल बनाया था, वह उसे बरकरार नहीं रख पाई। कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी है संगठन का अभाव। हालांकि यह कहा जाता है कि बीते तीन-साढ़े तीन सालों में में कमलनाथ ने संगठन पर काफ़ी मेहनत की है। इसके बावजूद पार्टी के बड़े नेताओं ने माहौल बनाया। शिवराज सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उसका असर भी हुआ, लेकिन उसे वोट में तब्दील करने के लिए जैसे समर्पित कार्यकर्ता चाहिए, वे उसके पास नहीं थे। इसके अलावा टिकट वितरण के लिये जिस सर्वे का हवाला बार-बार दिया गया, उस पर अमल नहीं किया गया और जिताऊ उम्मीदवारों की उपेक्षा की गई। मसलन - सतना जिले की नागौद सीट पर यादवेन्द्र सिंह पिछली बार बहुत कम मतों से हारे थे। उन्हें टिकट नहीं दी तो वे बसपा के टिकट पर लड़े और दूसरे नंबर पर रहे। इसी तरह गोटेगांव में पहले शेखर चौधरी को टिकट दिया। फिर टिकट बदल कर निवर्तमान विधायक प्रजापति को मैदान में उतार दिया। इससे आहत शेखर चौधरी निर्दलीय मैदान में आ गए और जाहिर है वे कांग्रेस को भी ले डूबे। सतना में ही रैंगाव की निवर्तमान विधायक कल्पना वर्मा से लोग नाराज़ थे। पिछला चुनाव जीतने के बाद उन्होंने जनता से संपर्क ही नहीं रखा, लेकिन उन्हें फिर टिकट मिल गई और वे चुनाव हार गईं। ऐसे और कई उदाहरण हैं।

कांग्रेस में चुनाव की बागडोर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के हाथों में थी, लेकिन जीत को लेकर दोनों ही अति आत्मविश्वास के शिकार हो गए। दिग्विजय सिंह तो मतगणना के पहले तक 130 से अधिक सीटों का दावा करते रहे। यह मानना मुश्किल है कि उन जैसे जुझारू और अनुभवी नेता को हकीकत मालूम न रही होगी। इसी आत्मविश्वास और शायद अति उत्साह में दोनों ने अपने बेटों को आगे कर दिया। ऐसी खबरें आईं कि छिन्दवाड़ा समेत कई सीटों पर फैसला नकुल नाथ कर रहे हैं और कई सीटों पर जयवर्द्धन सिंह। इस पुत्र प्रेम का गलत संदेश गया। लोगों को लगा कि मोदी ठीक कहते हैं, इन्हें प्रदेश की नहीं, अपने बच्चों की चिंता है। बहरहाल, इस चुनाव ने साफ़ कर दिया कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह अपनी पारी खेल चुके हैं। समय आ गया है कि कांग्रेस हाईकमान को हिन्दी प्रदेशों में नया नेतृत्व खोजना शुरू कर दे। तेलंगाना के नतीजों ने भी साबित किया है कि कांग्रेस अभी चुकी नहीं है। उसने मोदी मैजिक के बावजूद छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी ठीक ठाक प्रदर्शन किया है।

आखिरी बात, भाजपा को उन दलों का भी शुक्रिया अदा करना चाहिए जिन्होंने उसकी जीत को अप्रत्याशित बना दिया। सपा, बसपा, आप और गोंडवाना इत्यादि की मौजूदगी ने कांग्रेस को कमज़ोर किया। इंडिया गठबंधन के तकाजे को - खासतौर से सपा के साथ, निभाया गया होता तो शायद उसकी इतनी दुर्गति नहीं होती। ये और बात है कि इस चुनाव में इन तीनों ही दलों को कोई सफलता नहीं मिली। उधर नारायण त्रिपाठी की विंध्य जनता पार्टी ने भी कांग्रेस को ही नुकसान पहुंचाया। यह बात दबी जुबान में कही भी गई कि बीजेपी ही 'वीजेपी' है। हालांकि मैहर में त्रिपाठी खुद तीसरे नंबर पर रहे और सीधी में केदारनाथ शुक्ला भी इसी गति को प्राप्त हुए।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।